Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

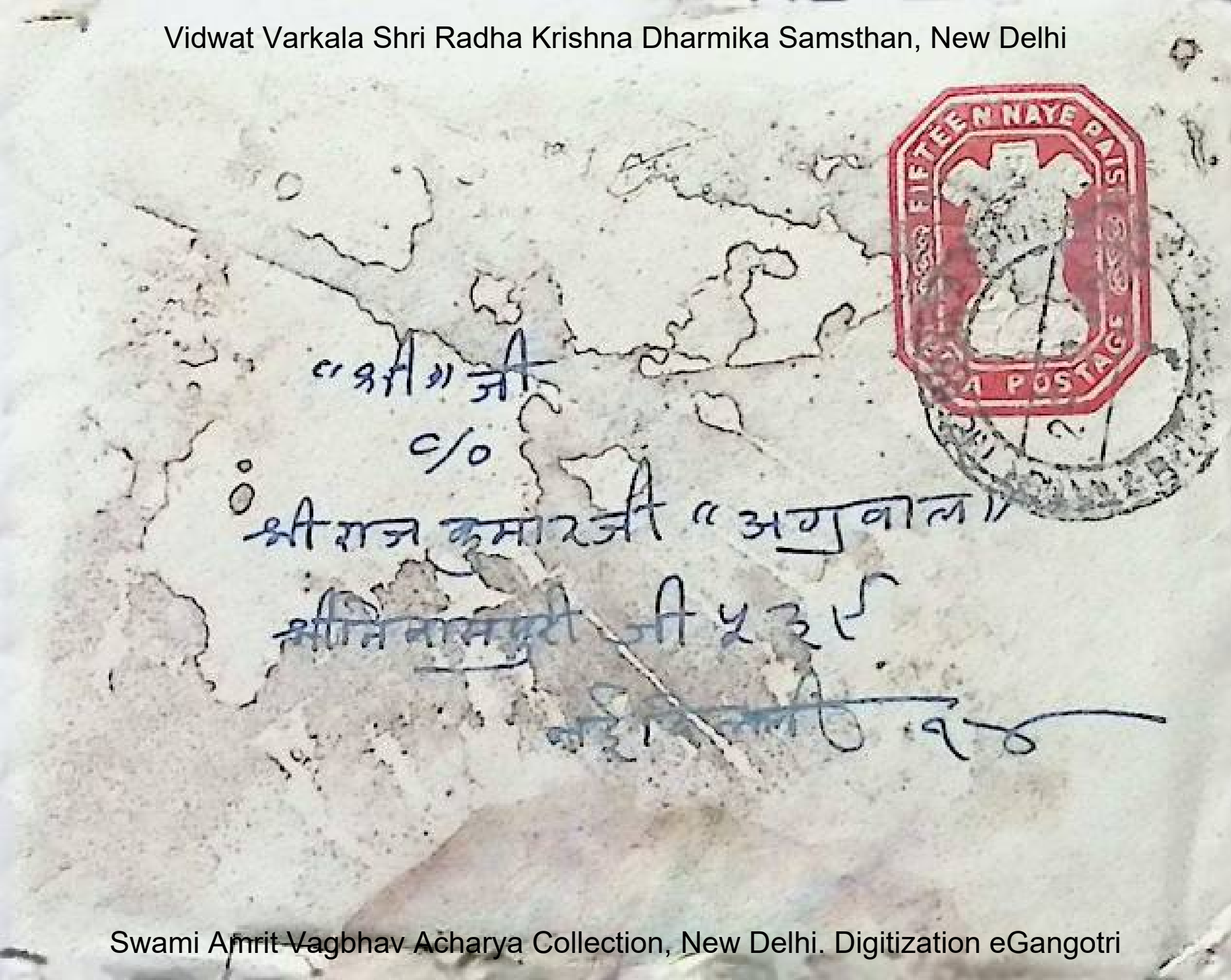

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

तथा श्री वैद्यजी द्वारा प्रेषित अन्तर्देशीय पत्र पढ़े
और साथ ही मुद्रित पत्र श्रीत्रिगुणेश्वर भगवान
के बारे में पढ़ा पर अन्नो[illegible] संस्कार न होने से वहां
पहुँचने में असमर्थ [illegible] यह पत्र रात को ही
पढ़ लिये जाते तो पहुँ[illegible] सकता था पर ऐसी
भगवदिच्छा नहीं थी [illegible] जागते हो चुकी थी
आज प्रातः श्री पूज्य ज्योति बी जी महाराज के साथ
श्री जीजी की आँख बनवाने जाना था पर असमर्थता
के कारण चि. लखन को भेजा वहाँ के समाचार
आने पर संभवतः १-२ दिन को जाऊं / देहली आने के
बारे में यह निवेदन है कि [illegible] १५-२-६६ का भगवत का
विवाह मुहूर्त था कि [illegible] भावीजी के देहान्त के कारण
वह न हो सका अब [illegible] को ता. १०-३-६६ की
मुहूर्त और आगे [illegible] शुक्ला ३ अक्षय तृतीया
का मुहूर्त ये दो मुहूर्त [illegible] हैं यदि १०-३-६६ का
रहा तो ६-३-६६ की रात्रि की गाड़ी से देहली पहुँच कर
७-३-६६ को विनायक शान्ति - तथा लग्न - आदि
के कार्य से निवृत्त होकर रात्रि की ट्रेन से भरतपुर आकर

८-३-६६ को यहां गद्दी पूजन कराकर फिर रात्रि की
गाड़ी से देहली पहुँच कर कुछ दिन देहली रहूंगा
यदि वैशाख का मुहूर्त हो तो प्रोग्राम वैशाख में देहली
आने का रहेगा / आये हुए [illegible] रहा हूं जैपुर १५ दिन रहा था
इस बीच २ मुद्रित पत्र एक [illegible] और एक मेरे लिये
बनारस से विवाह के आ[illegible] को बधाई का पत्र भी
नहीं लिखा है / एक कार्ड आ[illegible] की डाक पढ़ते समय १९-२-६६
का लिखा मिला यह सज्जन अपना पुराना नाम "रामजी"
लिखते हैं, इनकी जन्म भूमि वहराम पुर है - इस समय
लुधियाना में हैं - आपको पुनाम लिखने को लिखा है
इन्होंने १ प्रति आत्मविलास - ५ प्रति महानुभव शक्तिस्तव
५ प्रति श्री पञ्चस्तवी मंग[illegible] है लिखा है कीमत दे दी जायगी
अतः वी. पी. द्वारा भेजने [illegible] चर हा हूं / संभवतः
ये महात्मा रामजीदास [illegible] पने आपको वे आपका
एक तुच्छ पात्र लिखे रहे [illegible] का पता यह है /
श्रीरामजीदास हकीम - दशम [illegible] नगर - गिलरोड - कूंचा नं. ५
लुधियाना (पंजाब) / यहां भी १०-३-६६ को श्रीपुरोहितजी
की पुत्री "आराधना" का विवाह है / श्रीगिरिराजशरण
जी का विवाह सानन्द सम्पन्न होगया / श्री दुर्गाजी

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ने आपको प्रणाम लिखनेको कहा था। यहांके
सभी कृपाभाजनोंके प्रणाम ज्ञात हों।
श्रीवैद्यजी - मास्टर [illegible] बांकेलाल जी
राजकुमार जी - श्री [illegible] नित्यानन्द दत्तजी
आदि सभीको स[illegible] यशंकर।

आपका ही
गोविन्द

श्री:। चौबुर्जा - भरतपुर २५-२-६६
मध्यान्होत्तर २ बजे

अनन्त श्री करुणा वरुणा [illegible] पूज्य पाद के पादारविन्दोंमें कोटिश:
प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वत्र कु[illegible] । चिर समय पश्चात् श्रीराज-
कुमारजी द्वारा लिखित प[illegible] प्रसन्नता हुई। मैं गत १७-२-६६
को देहली से यहां आया हूं [illegible] २-६६ को श्रीबांकेलालजी
से फून द्वारा समाचार पुछवाने पर [illegible] मिला कि श्रीचरण प्रयाग
पधारे हैं, इसी दिन श्रीवैद्यजी को भी टेलीफून करवाया तो
ज्ञात हुआ कि वैद्यजी घर पधार गये हैं मेरा ख्याल था कि
श्रीवैद्यजी जब दुकान पर आयेंगे तो श्री शिवराजजी उन्हें
कहेंगे और वे टेलीफून द्वारा बात चीत करेंगे किन्तु ऐसा
नहीं हुआ। रात्रिको श्री डा. श्रीनाथजी के यहां गया तो
पता चला कि वे श्री प[illegible] जिन्नाथजी के भतीजे के
हाथके आप्रेशन के का[illegible] कदर जंग हस्पताल गये हैं।
यहां आकर ता. २२-२-[illegible] प्रात: ८ बजे यहां से देहली
होते हुए मेरठ गया - श्री [illegible] पुरी के समीप से मोटर में
जाते हुए यह विचार करे वा[illegible] था कि टेलीफून द्वारा बातें करने
पर न कर सका - वहां से २३-२-६६ को खेरली गंज पहुंचा
कल रात्रिको १२॥-१ बजे घर आया हूं प्रात: ९ बजे
डाक देखने पर श्रीराजकुमार जी द्वारा लिखित कार्ड

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

प्रेषिती:-

सेवामें

श्री श्रीजी महाराजजी c/o
श्रीरत्नलालजी अग्रवालजी,
R.P.S. 286 मदनगीर
नयी दिल्ली (NEW DELHI)

प्रेषक:-

छोटेलाल,
श्री सन्तोष सदन,
मथुरा गेट भरतपुर
(राज०) PIN → 3[illegible]

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

क्रमांक :

दिनांक 198

छोटेलाल,
श्री सन्तोष सदन, मथुरा गेट,
भरतपुर (राज.) पिन → 321001.

2 अक्टूबर, 1982 तथा 3-10-82

भरतपुर

कमांक .....

सेवामें

परमादरणीय एवं श्रद्धेय श्रीभगवन् महाराजजी के परम पावन श्रीचरणारविन्दों में करबद्ध साष्टाङ्ग प्रणाम सस्तुति वन्दना और कोटिशः जयशङ्कर की जयशङ्कर की ज्ञात हो।

घर में मेरे सहित सभी ज्वरादि से रोग-ग्रस्त होने के कारण प्रस्तुत पत्र अति विलम्ब से सेवार्पित किया जा रहा है। कृपा कर स्वीकार करेंगे। दया करेंगे।

घर के सदस्य पिछले दो माह से निरन्तर ज्वर आदि से पीड़ित होते आये हैं और बच्चे अब भी पीड़ित चल रहे हैं। मैं भी पूर्णतया स्वस्थ नहीं हूँ। आपकी परम कृपा ही हमारा शक्ति का सम्बल है और जिससे सर्व कल्याण व शुभ अवश्यमेव होगा। ऐसा हमारा पूर्ण एवं दृढ़ विश्वास है।

आपकी कृपा से आपकी जयजयकार का सदैव स्मरण बना रहे। यही आप भगवन् से प्रार्थना-याचना है। आपका स्वास्थ्य आरोग्यपूर्ण हो, जिससे समस्त संसार को सदैव प्रकाश मिलता रहे और सबका कल्याण हो। माँ भगवती जगदम्बा से सदैव यही प्रार्थना करता रहता हूँ।

आपकी दया-दृष्टि की झलक मात्र से सर्व खुशियाँ सदैव उपलब्ध हो जाती हैं क्योंकि "सब खुशियाँ बादशाहियाँ जब सद्गुरु नजर करे।" आपकी सेवा-सुश्रुषा करने में किस का सामर्थ्य है फिर भी जो आपके साक्षात्कार रूप में समीप रह कर दर्शन-लाभ करते हैं, वे धन्य हैं। हम पर आपकी दया-दृष्टि सदा बनी रहे यही एक मात्र प्रार्थना है। वाञ्छना है। पुनः आपको जयशंकर की जयशंकर की ज्ञात हो।

अगे, आपकी आज्ञानुसार श्री अनन्त-चतुर्दशी के दिवस को श्रीरामानन्दजी तिवारीजी से श्रीरघुनाथ बाल मंदिर के परिसर में उनकी पुस्तक विमोचन के सम्बंध में लगभग एक घंटे वार्ता हुई। आपके द्वारा चाहे गये पुस्तक प्रकाशन के विवरण के बारे में प्रसंग आने पर आपकी आज्ञा के अनुसार ही संकेत से पूँछा। उन्होंने बतलाया कि —

"मेरी स्वयं की लिखी मूल पुस्तकें ही बहुत सी रह गयी हैं। जिन पुस्तकों का स्मरण आ गया उनके विषय में संक्षिप्त विवरण तथा कुछ अंश प्रकाशित करवा दिये गये हैं। "श्रीं श्रीं विंशतिका शास्त्रम्" श्रीजी महाराजजी का ग्रन्थ है और मेरी तो श्रीप्रसादिनी सहित हिन्दी व्याख्या मात्र है। वह भी प्रकाशित नहीं करवा सके हैं। कागज तथा छपाई पर्याप्त मँहगी हो गई है। इस पुस्तक के मुद्रण पर लगभग दस-पन्द्रह हजार रूपये व्यय हुये हैं। समस्त पुस्तकों के विवरण तथा अंश प्रकाशित करने में इस पुस्तक का आकार और बढ़ जाता तथा अधिक मुद्रण-व्यय पड़ता। इसके विमोचन कराने पर लालाजी श्रीसन्तोषीलालजी का लगभग 50,000/= रूपये का व्यय हुआ है। आदि आदि।"

यह आपकी प्रथम आज्ञा की सूचना प्रस्तुत है।

—पृष्ठ सं० दो पर]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

दूसरे प्र० शा० शिलालेख से संबन्धित सूचना के बारे में प्रार्थना है कि श्री महावीरजी वाले समधी सा० तथा कुँवर सा० से करौली वाली कैला देवी के पास स्थित धर्मशालाओं में उक्त प्रार्थना शिला लेख के विषय में जानकारी करायी गयी। कुँवर सा० ने बहुत सी धर्मशालाओं में जाकर जानकारी की, परन्तु वाञ्छित सूचना उपलब्ध नहीं हो सकी।

गत सप्ताह में श्री धर्मेश्वरजी ने किसी सज्जन के द्वारा श्रीकैलादेवी (झील का बाड़ा, बयाना) में इस शिलालेख के विषय में जानकारी करायी और मेरे पुनः इस सम्बंध में मिलने पर उन्होंने बताया कि श्रीपरशिव प्रार्थना का शिलालेख एक धर्मशाला के सामने स्थापित किया हुआ है। धर्मशाला तथा उसके मालिक के विषय में कोई जानकारी नहीं दी है। मैं विस्तृत जानकारी हेतु इसी माह में "श्रीकैलादेवी" जाऊँगा। जगदम्बा के दर्शन कर शिलालेख में लिखित कल्याणमयी प्रार्थना के बारे में जानकारी करूँगा। तत्पश्चात् शिलालेख संस्थापक से सम्पर्क करूँगा।

शेष आपकी कृपा है।

माताजी पिताजी का यथायोग्य जयशङ्कर की ज्ञात हो। गृहणी एवं समस्त बच्चों की साष्टाङ्ग ढोक मालूम हो।

पं० जी के यहाँ के कुशल समाचार हैं। माँजी को ज्वर के कारण काफी कमजोरी है। उनका तथा श्रीधर्मेश्वरजी का जयशंकर मालूम हो। श्रीधरणीधरजी का भी जयशंकर की मालूम हो। उन्होंने मिल की नौकरी छोड दी है। अब घर पर ही हैं।

श्रीविशम्भरसिंहजी यहाँ घर पर आये थे। मैं उनसे नहीं मिल सका बच्चों की आवश्यक कार्य से भरतपुर शहर गया हुआ था। उनकी सूचनार्थ पं० जी के यहाँ आपका दिल्ली विराजने का पता लिख दिया है। अस्तु।

भरतपुर के सभी सज्जनों का यथायोग्य जयशंकर की मालूम हो।

पंडितजी श्रीदेशराजजी एवं उनके समस्त परिवारी सदस्यों को भी करबद्ध जयशंकर की ज्ञापित हो। भैयाजी श्रीरत्नलालजी को एवं उनके घर के सभी सदस्यों को करबद्ध जयशंकर मालूम हो। पं० श्री रविशंकरजी त्रिवेदीजी एवं उनके समस्त परिवारी सदस्यों को करबद्ध नमस्कार वन्दना ज्ञात हो। बाबूजी श्रीसीतारामजी एवं उनके सभी घर के सदस्यों को भी करबद्ध प्रणाम मालूम हो तथा अन्यान्य सभी प्रेमी सज्जनों को यथोचित जयशंकर की ज्ञात हो।

आगे आपकी दया और आशीर्वाद है। आपको बारम्बार एवं अनन्त जयशंकर जयशंकर की समर्पित है।

शुभास्तु मम पन्थानः सन्तु।

आपकी जय हो।

आपका अपना ही—

3/10/82

(छोटेलाल)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री :

तार 'गोविन्द' फोन नं० ३३

'अमृतभुवन' 'अत्रिआश्रम' 'कौण्डिन्य कुटीर' तथा 'प्रसाद पुस्तकालय' के संस्थापक

श्री पं० गोविन्द मिश्र

'मन्त्रमर्मज्ञ' 'तन्त्रतारक' 'दोषज्ञ दैशिक' 'दैवज्ञ दिवाकर' 'कर्मकाण्ड कोविद'

श्री स्वाध्याय सदन (पो० सोलन हिमाचल प्रदेश) के अध्यक्ष

अत्रिआश्रम
भरतपुर (राजस्थान)

सं०.....

श्री :)

तिथि आ: शु: ८ भौमे
सं० २०११

अनन्त श्री विभूषित "श्रीजी" महाराज के पुनीत पाद पद्मों में दासानुदास के कोटिश: प्रणाम स्वीकृत हों / सर्वत: कुशल मस्तु / कल श्री पं० मोहिनी प्रसाद जी के पत्र से आपके देहली पधारने का ज्ञान हुआ वहां के उत्तर के पत्र सेवा में भेज रहा हूं शेष कृपा / श्री लक्खो जी सादर प्रणाम कह रहे हैं / श्री हरदेव १० गुरु को देहली आ रहे हैं / अब उनकी धर्म पत्नी का स्वास्थ्य कुछ सुधर रहा है / आपकी कहानी अथवा कोई लेख नहीं पहुंचा ऐसा उन्होंने लिखा है यदि वहीं प्रेस में अथवा पं० दीनानाथ जी के समीप भेजने का कष्ट करें तो अति दया होगी / श्री जज सा० को सपरिवार जय शंकर ज्ञात हो शेष सभी प्रेमियों जय शंकर / संभव है ४-५ दिन पश्चात् श्री लक्खो जी देहली आवें /

आपका दासानुदास
गोविन्द:

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री: | भरतपुर १४-१०-५१

श्रीमान्

लाला कस्तूरी लाल जी, जय श्रीकृष्ण |
सर्वतः कुशल मस्तु | मैं सकुशल यहां आपहुँचा हूं | आपको सानन्द फरीदाबाद पहुंचे होंगे, कुशल पत्र दें | तार आपका डूंडलोद स्टेशन पर मिल गया, टोकरी साथ ले आया हूं | अनन्त श्री "श्री जी" के पादपद्मों में सादर साष्टाङ्ग सक्रिय सेवेरा प्रणाम निवेदन करना

श्री जैन साहब की ओरसे भी "श्री जी" को प्रणाम निवेदन करना वे अभी मुम्बई गये नहीं हैं उनकी माताजी अस्वस्थ होगई थीं तथा अचरा ४ बजे समाप्त होता था और गाड़ी रात को देहरा एक्स से जाना पड़ता ४ बजे छूट जाने से आधिक समय स्टेशन पड़ा रहना पड़ता इत्यादि कारणों से वे नहीं गये हैं अब वे बिना मुहूर्त जावेंगे ऐसा उन्होंने निश्चय किया है कि जब मन करेगा तभी चल देंगे | वे जानना चाहते हैं कि "श्री जी" अब कब मुम्बई पधारने की कृपा करेंगे | शेष कुशल है | गोविन्द:

पुनश्च— श्री शिव प्रसाद जी का पत्र आया है उसे साथ भेज रहा हूं |

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

॥ श्रीः ॥ भरतपुर ता. २४-१०-५०

अनन्त श्री पूज्य पाद

"श्री जी" महाराज के चरणारविन्दों में दासानुदास के कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वतः कुशलमस्तु। यहां इन दिनों कोई नवीन बात नहीं हुई है वहां के समाचारों का मुझे कुछ भी ज्ञान नहीं हुआ श्री स्वामी शिवानन्द जी पधारे हुए हैं आपसे मिलने की इच्छा थी ऐसा उन्होंने एक दिन कहा था मैंने आपके संबन्ध में कुछ नहीं कहा है. अबभी उन्हें कुछ ज्ञात नहीं हुआ है जैसी आज्ञा हो। रहने के संबन्ध में जैसा उचित समझें यहां का वातावरण दूषित अवश्य है। मैंने सप्तशती मण्डल रंभ कर रखा है रात्रि को ३-४ बजे सोता हूं चरण कृपा मंगल ही होगा शेष चिन्ता की कोई बात नहीं है अब तक ठीक चल रहा है मन वातावरण से दूषित अवश्य रहता है।

आपका

अपना - आप

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री।

श्रीमान्

आदरणीय वैद्यवर्य। सादर जयशंकर।

सर्वतः कुशलमस्तु। आपके कथनाऽनुसार ५० प्रति श्री पंचस्तवी को श्री धर्मसिंहजी द्वारा भेज रहा हूं कृपया पहुँच लिखना। "श्रीजी" के स्वास्थ्य समाचार भी लिखना। "श्रीजी" के चरणों में कोटिशः प्रणाम निवेदन करना।

इसके अतिरिक्त अन्य प्रकाशित पुस्तकों के बारे में भी ..... (शेष कुशल है)

आपका —
मिश्र गोविन्द।

पुनश्च
श्री सप्तशती सर्वस्व का
शीघ्र यहां भेजने का
प्रयास करिये।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्रीमान्
वैद्य बृहस्पतिदेव
त्रिगुणा
श्री त्रिगुणा चिकित्सा केन्द्र
भोगल - जंगपुरा दिल्ली नं० १४

4H1 Pvt Ltd
Xchange
New Delhi
54970

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री

तार 'गोविन्द' फोन नं० ३३

'अमृतभुवन' 'अत्रिआश्रम' 'कौण्डिन्य कुटीर' तथा 'प्रसाद पुस्तकालय' के संस्थापक

श्री पं० गोविन्द मिश्र

'मन्त्रमर्मज्ञ' 'तन्त्रतारक' 'दोषज्ञ दैशिक' 'दैवज्ञ दिवाकर' 'कर्मकाण्ड कोविद'

श्री स्वाध्याय सदन (पो० सोलन हिमाचल प्रदेश) के अध्यक्ष

अत्रिआश्रम
भरतपुर (राजस्थान)

सायं ५॥ बजे

सं०.....

तिथि ८-३-५८ शनौ

अनन्त श्री विभूषित सर्वतन्त्र स्वतन्त्र श्री बाबा महाराज के पुनीत पाद पद्मों में दासानुदास गोविन्द के कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वतः कुशल मस्तु। अभी पत्र मिला प्रसन्नता हुई। 'श्री विंशति-का शास्त्रम्' की व्याख्या अद्यावधि नहीं आई श्री वासिष्ठजी का पत्र आया था कि एक सप्ताह में भेज दूंगा मेरे विचार से दो सप्ताह से अधिक हो गया है कल पत्र लिखूंगा।

श्री १०५ मानू राजा साहब का पत्र आया है उन्होंने ३ मार्च से वृन्दावन "श्री श्री माँ के पधारे हैं २० दिवस रहेंगे, विचार है शीघ्र ही मिलूंगा।

श्री जैन सा० सादर साष्टांग प्रणाम निवेदन कर रहे हैं, आज अभी ७ बजे जनता ट्रेन से सूरत जा रहे हैं।

श्री गिरिराज शरण जी भी प्रणाम कह रहे हैं, पुनः सादर साष्टांग दण्डवत कोटिशः प्रणाम कर रहे हैं अभी [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री :

तार 'गोविन्द' फोन नं० ३३

'अमृतभुवन' 'अत्रिआश्रम' 'कौण्डिन्य कुटीर' तथा 'प्रसाद पुस्तकालय' के संस्थापक

श्री पं० गोविन्द मिश्र

'मन्त्रमर्मज्ञ' 'तन्त्रतारक' 'दोषज्ञ दैशिक' 'दैवज्ञ दिवाकर' 'कर्मकाण्ड कोविद'

श्री स्वाध्याय सदन (पो० सोलन हिमाचल प्रदेश) के अध्यक्ष

अत्रिआश्रम
भरतपुर (राजस्थान)

सं०.....

तिथि कार्तिक कृ० १३ बुधे
सं० २००९

पूज्य पाद

अनन्त श्री आचार्य चरणों में दासानुदास गोविन्द के कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हो। सर्वतः- कुशल मस्तु। कृपा पत्र आज मिला, श्री ऋषि जी दर्शनों को पधार रहे हैं।

श्री अंगूरी जी लाली कल अपेक्षा आज कुछ स्वस्थ है, श्री कन्हैया लाल वाला केस अभी शान्त नहीं हुआ है। आप सब जानते हैं सर्वज्ञ को क्या लिखा जाय

आपका दासानुदास
गोविन्द

पुनश्च —
श्री सुरेन्द्रनाथ जी जैन
तथा बाँके लाल जी
सप्रेम जय ...
१० पति ... सप्त पत्र
... की
मेजरा

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

सेवामें

अनन्त श्री ०श्री जी

c/o

श्री सुरेन्द्रनाथ जी

S. N. जैन

चित्रगुप्त रोड़ नई देहली

E. १९

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

CABLES: "LAKHOJI"

DR. R. C. GUPTA & CO.

AUTOMOBILE & CYCLE IMPORTERS & CONTRACTORS
BHARATPUR
(INDIA)

Ref. No. ..... Date ता॰ ६-११-४९

श्री:।

अनन्त श्री पूज्यपाद बाबा महाराज के पुनीत पादपद्मों में दासानुदास गोविन्द के कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हों, कृपापत्र कल प्राप्त हुआ। श्री स्वाध्याय मुद्रित होने से २०-२५ दिन के अनन्तर आज ही ग्राहकों को वितरित किया जा रहा है अतः श्री ह॰ दे॰ जी देहली K.D. जी के रख गये थे श्री लक्खो जी लाये हैं अब यहां आये हुए भी ५-६ दिन हो गये हैं। श्री कस्तूरी लाल जी का पत्र आया है साथ में भेज रहा हूं। अभी अदा नहीं बना है आशा है १०-१५ दिन में बन जाय। ~~दिन भी आ रहे हैं~~ टीन भी नहीं मिली है। प्रेम का स्वास्थ्य अब अच्छा है जहां आपने पत्र लिखा था क्या वहां से उत्तर आ गया है अथवा कहीं अन्यत्र १०-१५ में तो भगवत् कृपा हुई तो अदा बन ही जायगा श्री लक्खो जी साष्टांग प्रणाम कर रहे हैं। शेष कुशल है।

चरणानुचरो गोविन्दः

पुनश्च

क्या नवी प्रसाद जी को कोई अदा नहीं [illegible]

[illegible] प्रसाद जी ने तलाश किया है [illegible]

यहां उनकी स्थान [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

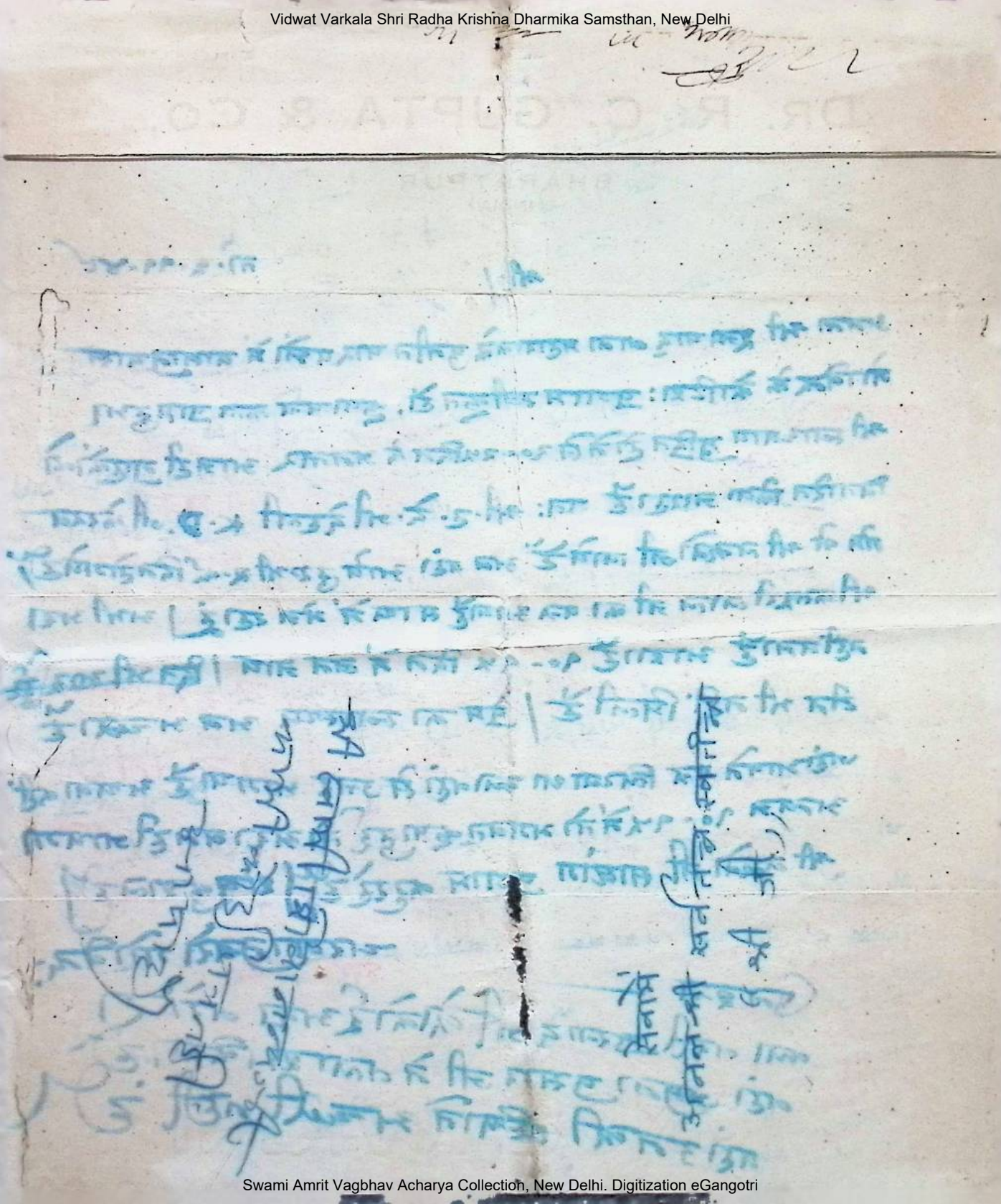

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री:। चौबुर्जा - भरतपुर
८ - ४ - ६२

अनन्त श्री सर्वतन्त्र स्वतन्त्र श्रीबाबा महाराज के पुनीत पादपद्मों में दासानुदास के कोटिश: प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वत: कुशलमस्तु। गत परसों श्रीवैद्य जी द्वारा प्रेषित कथा सूचक पत्र से ज्ञात हुआ कि श्रीचरण देहली ही विराज कर श्रीत्रिगुणा जी के यहां "श्री त्रिगुणात्मिका" की कथा व्याज से त्रिगुणात्मक सृष्टि में उत्पन्न कुछ प्रेम भाजन जीवों के उद्धारार्थ वचनामृत पान करा रहे हैं अस्तु इच्छा आपकी मैं तो श्रीवैद्य नन्दकिशोर जी को पत्र लिखने की सोच रहा था। जय माँ।

साथ वाला पत्र चिरकाल से प्रतीक्षा कर रहा था डाक द्वारा भेज रहा हूं

गत २-४-६२ को श्रीशरणजी का तार मिलन से जैपुर गया था उन्होंने श्रीराष्ट्रसंजीवन भाष्य के प्रकाशन के लिये एक सहस्र मुद्रा मुझे दिये हैं, मेरे समीप हैं, मेरा विचार है कि इन्हें "श्री-राष्ट्रसंजीवन कोष" के नाम से बैंक में रख दिया जाय और इस कोष की वृद्धि का प्रयत्न किया जाय जैसी आज्ञा हो।

श्री शरणजी ने यह प्रार्थना लिखने को कहा है। कि आगामी वैशाख शुक्ला ५ गुरुवार ता. १०-५-६२ को उनके यहां श्री गंगोद्यापन में पधारने की कृपा करें।

यहां कुछ दिन से श्री स्वामी ब्रह्मानन्द जी के प्रेमी एक वैद्य आये हैं जाति से खण्डेलवाल वैश्य हैं विशेषतया "होम्योपैथी" दवा देते हैं और इनमें विशेषता यह है कि रोगी को दूर से देखकर ही रोग बतला देते हैं श्री जैनसाहब तथा श्री पुरोहित जी इनकी चिकित्सा में हैं परिणाम भविष्य बतलायेगा।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री विश्वम्भरसिंह जी आपको सादर साष्टांग प्रणाम कहरहे हैं।

श्री जैन साहब, श्री पुरोहितजी, श्री लक्खो जी, (इन्होंने आज कल गत १४ से कवच मण्डला रंभ किया है) श्री पं० जी, वेदपाठी (अभी तक साँई दास का कोई उत्तर नहीं) आदि सभी के सादर साष्टांग प्रणाम ज्ञात हों।

साथ वाला पत्र श्री वैद्यजी को देने का कष्ट आपको ही देता हूं।

दासानुदास [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

भाद्रपद शुक्ला - पूर्णिमा
सं० २०२९

श्रीः। चौकुर्जा - भरतपुर

लब्ध्वा पितुः स्वाच्छ्री विष्णो र्याप्रैंवैज्ञानिकेपदे
श्रीमातुः सुमतेः श्रेष्ठां मतिं प्राप्य मनोहराम्॥
विश्व वैज्ञानिक क्षेत्र धन्यवादार्ह मानवः।
भूत्वा जयन्तो जयतात् - रचयन् भारतं जनम्॥
अमृतवाग्भवः (अमृत वाग्भव आचार्यः)

प्रिय महानुभाव!

विज्ञान के क्षेत्रमें आपके सुपुत्र डाक्टर जयन्त नारलीकर की अद्भुत सफलता की बात सुनकर हमें अत्यन्त हर्ष हुआ और इसके लिये डाक्टर जयन्त के पूज्य माता पिता सचमुच धन्यवाद के पात्र हैं। उसके प्रतिभाशाली स्वभाव को अनुसन्धान शील बनानेमें आपका कितना योग रहा होगा यह बात स्पष्ट रूपसे सामने आगई है डाक्टर जयन्त से अभी हमको बहुत आशायें करनी चाहियें इस प्रथम चमत्कार के लिये हमारा उसे बधाई देनेको जी चाहता है

मिश्र गोविन्दः लक्ष्मीकान्त सम्पूर्णदत्त मिश्र

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

मुहल्ला गोपालगढ़,
भरतपुर (राजस्थान)
६-६-'६३ ई०

पूज्य आचार्य जी,

—चाचा जी से मुझे आपके अस्वास्थ्य की बात सुनकर बहुत दुःख हुआ।

इस पत्र के साथ कहानी लिखकर भेज रहा हूँ। यदि आप उचित समझें तो इसे किसी प्रभावशाली व्यक्ति के द्वारा 'धर्मयुग' या 'साप्ताहिक हिन्दुस्तान' में छपने भेज दें। किसी के प्रभाव के बिना यह नहीं छप सकेगी ऐसी इस देश की परिस्थिति है।

मैं कामना करता हूँ कि आप शीघ्र स्वस्थ हों। आपके दर्शन और सम्पर्क का सौभाग्य मुझे जितने अधिक समय इस संसार में मिलता रहे उतना अच्छा है।

कृपा बनाये रखिये।

आपका कृपापात्र सेवक,

श्रीमान् अमृतवाग्भवाचार्य महाराज,
C/o वैद्य श्रीबृहस्पति देव त्रिगुणायत
१४, मोगल रोड, नई दिल्ली।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री :

तार 'गोविन्द' फोन नं० ३३

'अमृतभुवन' 'अत्रिआश्रम' 'कौण्डिन्य कुटीर' तथा 'प्रसाद पुस्तकालय' के संस्थापक

श्री पं० गोविन्द मिश्र

'मन्त्रमर्मज्ञ' 'तन्त्रतारक' 'दोषज्ञ दैशिक' 'दैवज्ञ दिवाकर' 'कर्मकाण्ड कोविद'

श्री स्वाध्याय सदन (पो० सोलन हिमाचल प्रदेश) के अध्यक्ष

अत्रिआश्रम
भरतपुर (राजस्थान)

सं०..... तिथि.....

अनन्त श्री विभूषित श्री पाद पद्मों में दासके अनेकशः प्रणाम स्वीकृत हों। अधिक समय से पत्र न मिलने के कारण चिन्ता थी आज श्री पं० भास्कर नाथजी के पत्र से योगल निवास का ज्ञान हुआ। अभी, आपका वहां और कितने समय ठहरने का विचार है यहां कब तक पधारने का कष्ट करेंगे। श्री ब्रह्मचारी रामप्रसादजी का भाद्रपद में पत्र आया जिसमें उन्होंने यह लिखा कि मैं ने उस समय आवेश में आकर आपको कह दिया था यह विरक्त लोगों की चीज है अतः श्री ब्रह्मचारी जी अथवा स्वामी जी जब आवें तो मुझे पत्र लिख दो मैं उन्हें बता दूंगा और वे आपको इत्यादि जैसी इच्छा हो

श्री बाबूलाल जी को फिर वार ज्वर आजाता है और खाँसी गई नहीं है यह चिन्ता रात दिन लगी रहती है।

पीपले गांव में जिस औषधि का निर्माण चल रहा था उसमें रस डालने पर पहले तो पीत वर्ण के कुछ बिन्दु दीखे और पीछे भस्म होगई है।

श्री पं० मोहिनी प्रसाद जी की मांडवी पहली अपेक्षा

श्री ब्रह्मचारी जी के पत्र की पंक्ति इस प्रकार है —
जिस लिये आप प्राण चाहते हों उसमें एक अड़चन है। क्या तो यह कि यह विरक्तों की चीज है हमने आपको आवेश में कह दिया था बताने को तो स्वामी जी आवें तो मैं उन्हें बता दूंगा उनके द्वारा यह चीज आपको मिल जायगी

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अब स्वस्थ हैं और होरही हैं उन्होंने गतमास में यहां आनेको लिखा था किन्तु वे आये नहीं मैं भी अभी तक देहली नहीं जासका हूं।

श्री लाला बाँकेलाल राजकुमार जी के समाचार भी इन दिनों नहीं मिले।

श्री पं. जटाशंकर जी को २ पत्र लिखे उत्तर नहीं।

श्री जयजयराम जी का भी कोई समाचार नहीं कि वे कहां हैं

श्री रोशन लाल जी ने पत्रोत्तर नहीं दिया।

श्री कस्तूरी लाल जी का भी समाचार नहीं कि वे कहां हैं।

श्री १०५ मातु राजा साहब का (जन्मदिवस के तार के उत्तर में) पत्र आया था उसमें आपको प्रणाम लिखे हैं।

श्री गिरिराजशरण जी एक दिन रात को २ घण्टे के लिये आये थे प्रणाम कहगये हैं, इनका आपको जैपुर पधारने का विशेष आग्रह है।

श्री सम्पूर्णदत्त जी का परिवर्तन राजा खेड़ा (धौलपुर) होगया है दुःखी हैं।

श्रीमाजी, गृहिणी, चि. वीरेश्वर, धर्मेश्वर सौ. लाली आशु, संतोष, आदि सभी के सादर प्रणाम ज्ञात हों।

श्रीमास्टर मनोहर [illegible] अभी प्रणाम कहगये हैं।

श्री विश्वम्भर सिंह के भी प्रणाम ज्ञात हों। आपका दासानुदास

गोविन्दः

श्री वैद्यजी आदि सभी प्रेमियों को यथोचित जयशंकर ज्ञात हों।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

L. C. GUPTA
MANUFACTURERS' REPRESENTATIVE
BHARATPUR

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

GRAMS: "LAKHOJI"

DR. R. C. GUPTA & CO.
DIRECT IMPORTERS & EXPORTERS
AND
COMMISSION AGENTS
BHARATPUR

Ref. No. ..... Date 28-3-85.

To

श्री श्री १०८ श्री परम
पूजनीय बाबा सहाब.

के चरणों में मेरा साष्टांग दण्डवत् स्वीकार हो
आगे आपकी आज्ञानुसार २००) रु. श्री स्वाध्याय
खाते के नाम में लिखकर भेजे गये हैं और कुछ
रकम जो अब तक जमा है वह 330) रु. है आत्मविद्यार्थ
का अलग खाता खोलना चाहिए अथवा श्री स्वाध्याय
के में ही जमा किया जाय और अलग खोला जावे तो
क्या नाम रखना चाहिए सीधे कृपया लिखियेगा
और जो कुछ मेरे कायक सेवा हो सो लिखें

आपकी
[illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

GRAMS: "LAKHOJI"

DR. R. C. GUPTA & CO.
DIRECT IMPORTERS & EXPORTERS
AND
COMMISSION AGENTS
BHARATPUR

Ref. No. ..... Date 28-3-85.

To

श्री श्री १०८ श्री परम
पूज्यनीय बाबासहाब.

के चरणों में मेरा साष्टांग दण्डवत् स्वीकार हो
आगे आपकी आज्ञानुसार २००) रु. श्री स्वाध्याय
खाते के नाम में लिखकर भेजे गये हैं और कुल
रकम जो अब तक गया है वह 330) रु. है आत्मविद्या
का अलग खाता खोलना चाहिए अथवा श्री स्वाध्याय
के में ही गया किया जाय और अलग खोला जावे तो
क्या नाम रखना चाहिए सोच कृपया लिखियेगा
और जो कुछ मेरे लायक सेवा हो सो लिखें

आपका
[illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

CABLES: "LAKHOJI"

DR. R. C. GUPTA & CO.

AUTOMOBILE & CYCLE IMPORTERS & CONTRACTORS
BHARATPUR
(INDIA)

Ref. No. श्री:। Date ता. २८-३-४९

अनन्तश्रीमान् श्री बाबा महाराज के पुनीत पाद पद्मों में चरणानुचर गोविन्द के कोटिशः प्रणाम स्वीकार हों। सर्वतः कुशल मस्तु। मैं यहां सकुशल आ पहुंचा हूं। श्री पं० हरदेव जी से सस्नेह जय शंकर। श्री मान् बाबू जी को सपरिवार जय शंकर। २००) रु. बाबू द्वारा भेजे जा रहे हैं स्वीकार हों शेष कुशल है।

आपका
गोविन्द:

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

L. C. GUPTA

MANUFACTURERS' REPRESENTATIVE

BHARATPUR

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

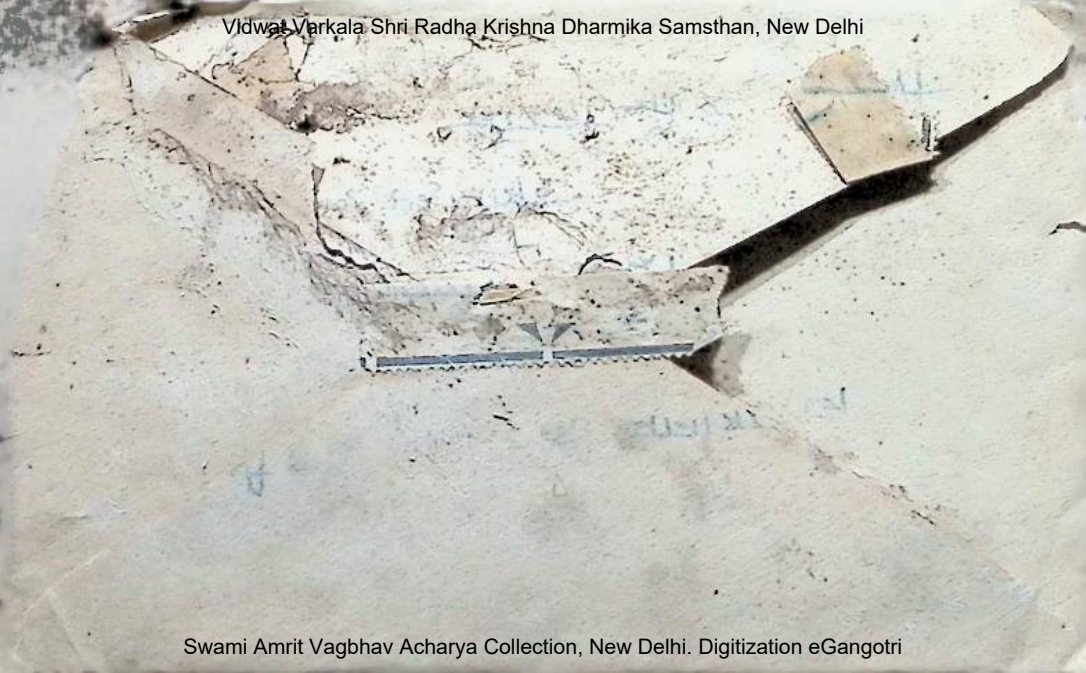

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

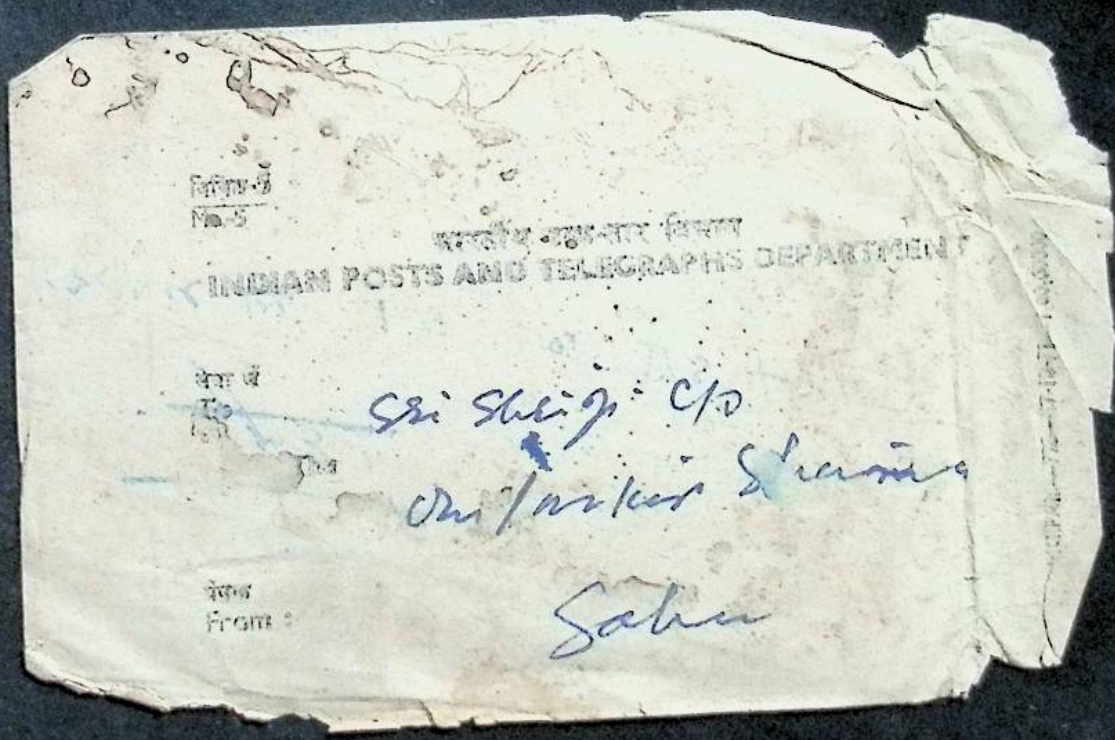

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

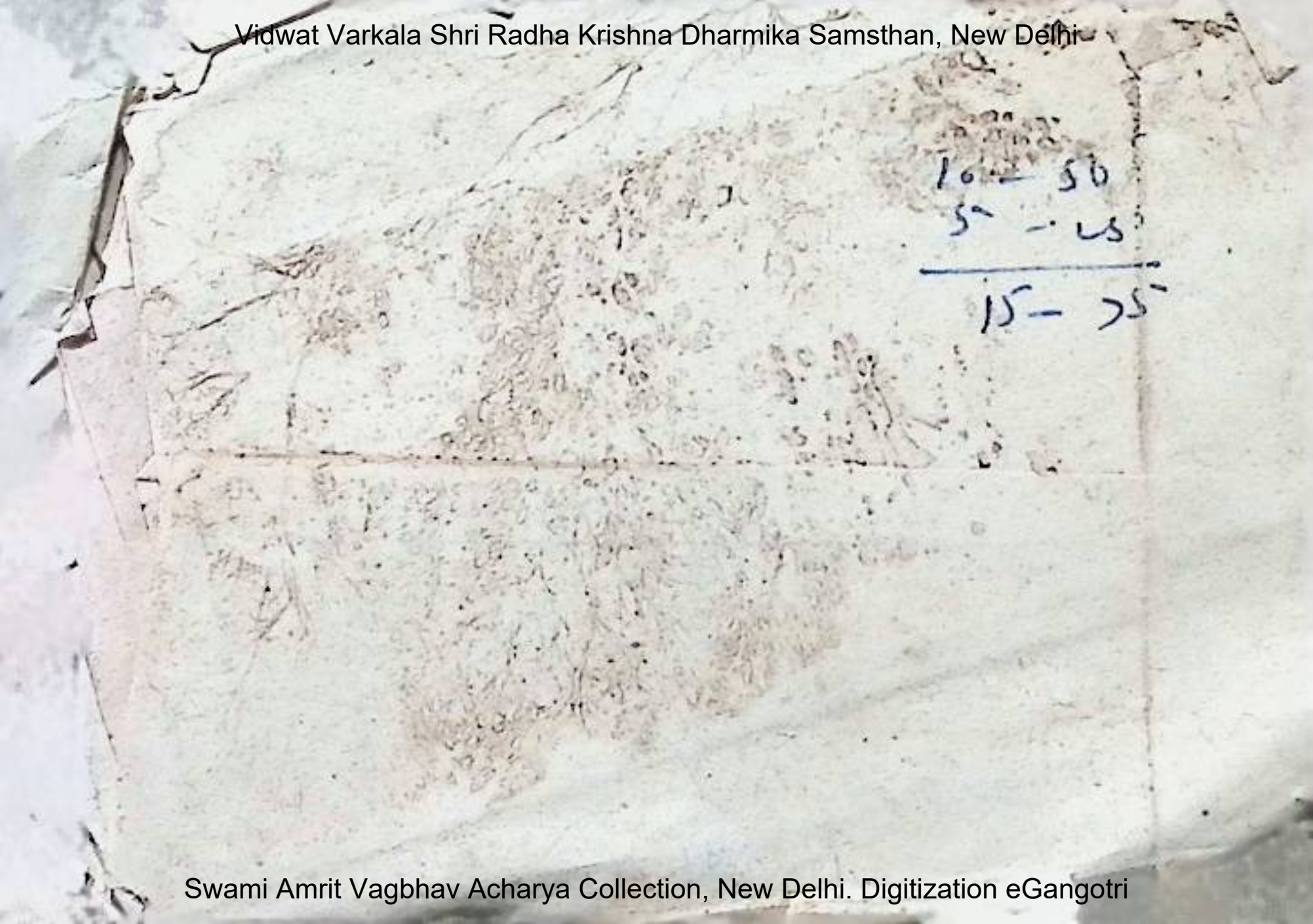

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

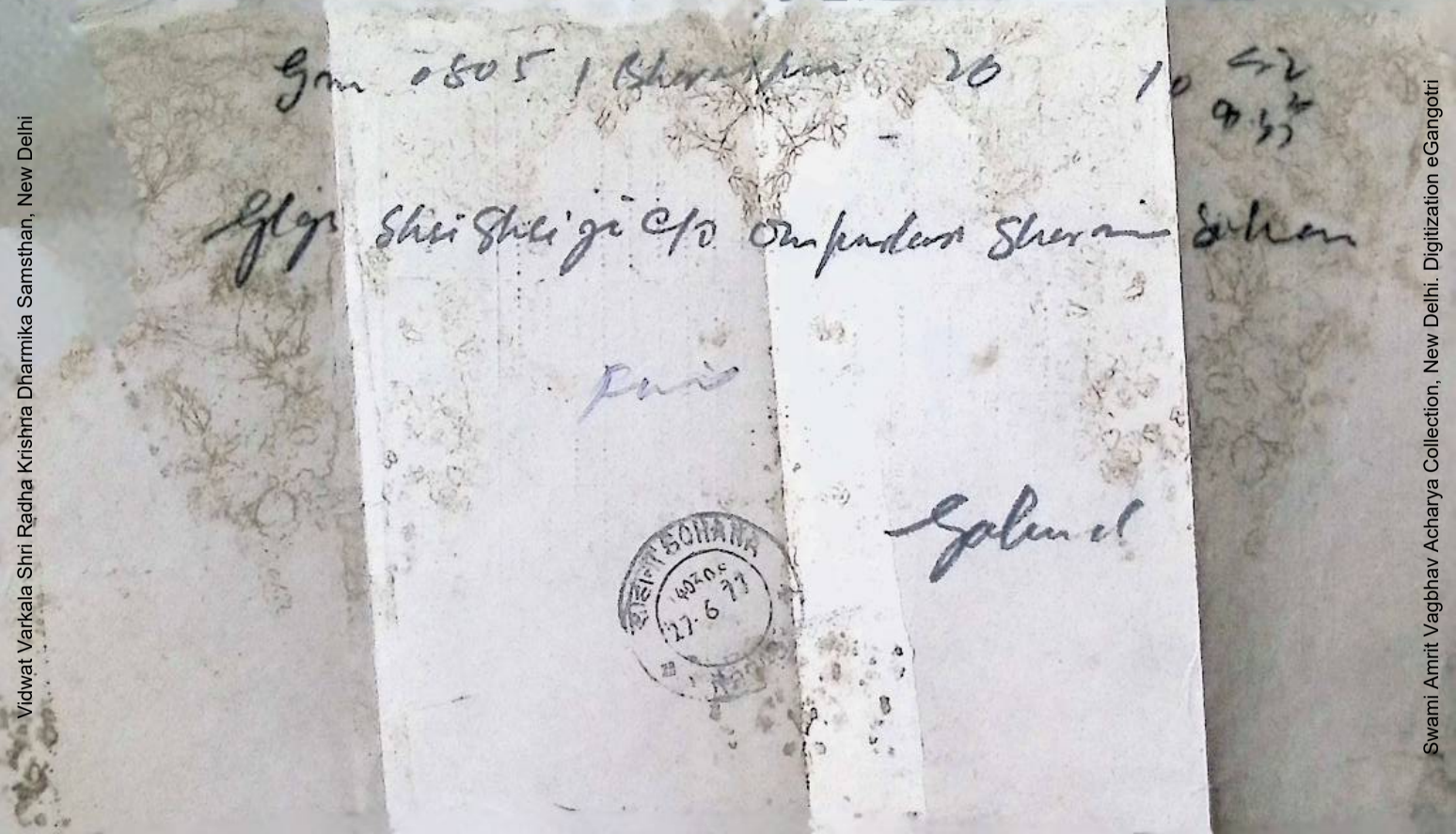

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

सेवामें

"श्रीजी"

c/o के. के. आनन्द

हाउस आफ पं. बांके बिहारी

गुगजी बाग, श्रीनगर (काश्मीर)

To

Shri Shrigi Maharaj

c/o K. K. Anand

House of Pt. Banke Bihari

Guggi Bag, Shrinagar (Kashmir)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

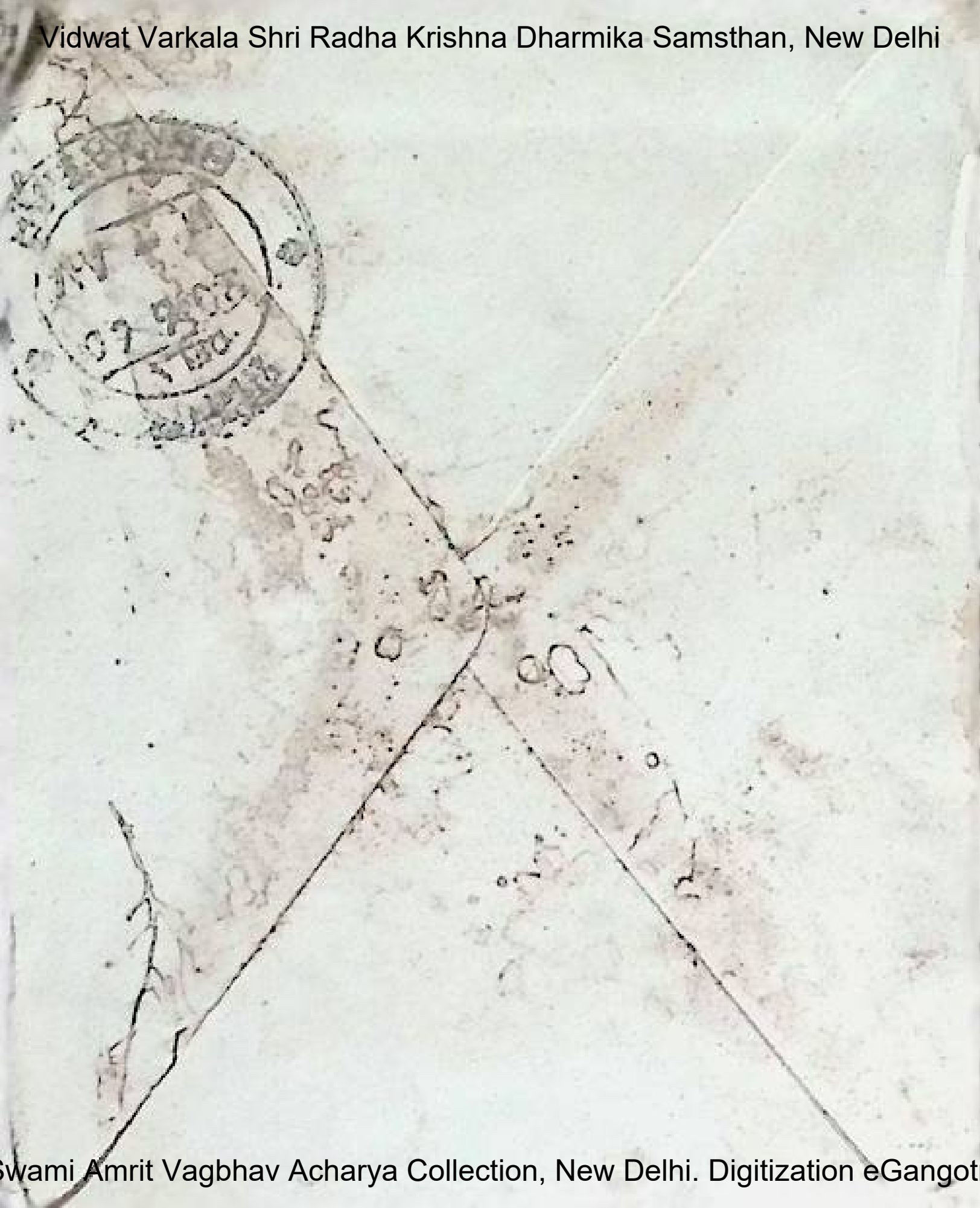

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

३

श्री:

तार 'गोविन्द' फोन नं० ३३

'अमृतभुवन' 'अत्रिआश्रम' 'कौण्डिन्य कुटीर' तथा 'प्रसाद पुस्तकालय' के संस्थापक

श्री पं० गोविन्द मिश्र

'मन्त्रमर्मज्ञ' 'तन्त्रतारक' 'दोषज्ञ दैशिक' 'दैवज्ञ दिवाकर' 'कर्मकाण्ड कोविद'

श्री स्वाध्याय सदन (पो० सोलन हिमाचल प्रदेश) के अध्यक्ष

अत्रिआश्रम
भरतपुर (राजस्थान)

सं०..... तिथि.....

किन शब्दों में प्रार्थना करूं यह कुछ समझ में नहीं आ रहा है। मैं शीघ्रातिशीघ्र जन्मपत्र श्री चरणों तक पहुंचाऊंगा यही चिन्ता है और इसकी पूर्ति भी श्री चरणों के ही प्रसाद से होगी वह तो यह बड़ी अच्छी बात है कि आपने श्री बलदेव सिंह जी का इष्ट अपने सामने रजिष्टर में नोट करा दिया था वह है आधिक क्या लिखूं श्री चरणों की कृपा से ही सब ठीक होगा। बगल वाले मकान में दुकान तो निलाम हो गई साथ में दो परनाले भी पाइप लगाकर निकाल लिये हैं लड़ने को प्रतिदिन तैयार रहते हैं गली पीछे की पक्की कराना चाहते हैं शेष सब ठीक है। एक लिफाफा कालका से श्री सीताराम जी का आया है पोष्ट द्वारा भेज रहा हूं, इसके बाद उनका एक कार्ड भी आया था जिसमें उन्होंने आपका देहरा दून का पता भी पूछा था उसका उत्तर भेज दिया था। श्री माजी आदि सभी का जै शङ्कर ज्ञात हो कल श्री पं० बलजिन्नाथ जी का पत्र जैन सा० को आया था उन्होंने उत्तर लिख दिया होगा। वे आपको जय शङ्कर कहते थे श्री मोती भाई भी प्रणाम करते थे। शेष कृपा। गोविन्द.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री लकवे जी का सादर प्रणाम ज्ञात हो। श्री तिवारी जी को सूचित करूंगा तथा पुस्तक पहुँचाऊंगा। बार बार क्षमा चाहता हूं। गोविन्द: १८-६-६०

श्री विश्वम्भर सिंह जी अभी आये हैं वे सादर प्रणाम कह रहे हैं।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री :

तार 'गोविन्द' फोन नं० ३३

'अमृतभुवन' 'अत्रिआश्रम' 'कौण्डिन्य कुटीर' तथा 'प्रसाद पुस्तकालय' के संस्थापक

श्री पं० गोविन्द मिश्र

'मन्त्रमर्मज्ञ' 'तन्त्रतारक' 'दोषज्ञ दैशिक' 'दैवज्ञ दिवाकर' 'कर्मकाण्ड कोविद'

श्री स्वाध्याय सदन (पो० सोलन हिमाचल प्रदेश) के अध्यक्ष

अत्रिआश्रम
भरतपुर (राजस्थान)

सं०.....

तिथि आ० कृ० ९ श्रु० के २०६

अनन्त श्री विभूषित सर्वतन्त्र स्वतंत्र करुणा वरुणालय श्रीबाबा मस्त-राज के पुनीत पाद पद्मों में दासानुदास गोविन्द के कोटिशः प्रणाम स्वीकार हों। सर्वतः कुशल मस्तु। पत्र कल मिला, पढ़ कर मुझे अत्यन्त लज्जा एवं अपने ऊपर अत्यन्त घृणा हुई कि मेरे कारण आप सरीखे सन्त पुरुष को किस व्यर्थ के संकट में पड़ना पड़ा है, मैं स्मरण आने पर सर्वदा ही इस कष्ट को भोगता हूं पर न जाने मेरे भाग्य का कौन सा पाप इस से मुक्त नहीं कर रहा है अब की बार पुनः गणित खो गई है ३-४ बार गणित करा चुका हूं बड़ी ही लज्जा और घृणा आती है पर क्या करूं विवश भाग्यवशात् अथवा जाने क्यों भोग रहा हूं, यद्यपि मैं इस समय रुग्णावस्था में हूं पर मुझे इसकी इतनी चिन्ता नहीं जितनी कि इस जन्म पत्र की है आज ही ढूंढ़ना आरम्भ कर देना है. यद्यपि मैं दक्षिण हस्त से कुछ काम नहीं करता हूं "सर्वं वै वामेन" यहां तक कि कई दिन से भोजन भी वाम हस्त से ही करता हूं पत्र भी तर्जनी मध्यमा अंगूठा के सहारे से जैसे तैसे लिख रहा हूं, आपके चले जाने के पश्चात मैं भी पीपले गांव चला गया वहां से आने के दो दिवस बाद ही कनिष्ठा—

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

२

गुलेसे पानी आंसूकी भांति झड़ने लगा और श्री ज्यो. जी, कम्पौन्डर द्वारिका प्रसादजी, मिश्र मनोहरलालजी की अनुमति के अनुसार विवश इन्जेक्शन कराने पड़े, शरीरमें सब जगह फुन्सी उत्पन्न होगई थीं यहां तक कि हाथ और पैर के तलुओं में भी सबमें से पानी वैसा ही निकलता था इन्जेक्शन से यह तो लाभ हुआ कि अब नई फुन्सियां रुक गई हैं और पहले से १२ आना भर सेहत भी है पर विष शरीर में है पूर्णतः निकला नहीं अतः आजसे मञ्जिष्ठादि क्वाथ आरंभ कर रहा हूं आज विरेचन भी लिया है आम भी निकला है पर इस सबसे अधिक मुझे जन्मपत्र की ही चिन्ता है शीघ्रातिशीघ्र जन्मपत्र आपके समीप पहुँचाने का प्रयत्न करूंगा आज ही श्री बद्रीप्र. जी से पुनः गणित के लिये कह दिया है २-४ दिन में वे बोर्ड से फारिग हुए आते हैं उनसे अथवा श्री ज्यो. जी से लिखवा कर भेजने की सोची है इस समय रोग शत्रु दोनों का ही जोर है इससे अनुमान है कि अब राहु जी जल्दी ही पधारेंगे अर्थात् दशा समाप्त होने को है। श्री क. के. आनन्द महोदय से भी जय शंकर कह दें। मैं आपके चरणों के समक्ष सत्य लिख रहा हूं कि इस अपराध से मुझे अपने आपसे अत्यन्त ग्लानि का अनुभव हो रहा है क्षमा करें नाथ [illegible] नहीं दी

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

CABLES: "LAKHOJI"

DR. R. C. GUPTA & CO.

AUTOMOBILE & CYCLE IMPORTERS & CONTRACTORS
BHARATPUR
(INDIA)

Ref. No. ..... Date 23-6-82

श्री श्री १००८ श्री पूज्य बाबाजी महाराज की पुज्य पादुकाओं में लक्खों की साष्टांग दण्डवत् स्वीकार हो।

श्रीमान्

सेवा में प्रार्थना यह है कि मैं श्री पंडित गोविन्द दत्त जी को देहली से भरतपुर सोमवार को सुबह की गाड़ी से लिवा लाया हूं। उनके दिमाग की हालत खराब है वैसे तो उन्हें कोई बुखार वगैराह नहीं है अब तो जर्रे बक देते हैं और नंगे हो जाते हैं उन्हें यह होश नहीं है कि मैं क्या कर रहा हूं और कहां हूं यह समझ मैं नहीं आता है कि क्या बात है मेरी समझ से तो यह सब भंग की ही बतप है आप सर्वज्ञ हैं और सब कुछ देखने वाले हैं आपको तो ज्ञात होई गया होगा जो कुछ भी मामला है।

आगे श्रीमान की सेवा में मैं १ पत्र पहिले भी भेज चुका हूं उसमें मैंने मौजूद लिखा था अब पता चला है कि

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

वह माणुप नहीं भाण्डुप है। पत्र अभी तो वापिस मिला नहीं है आशा है शायद पहुंच ही गया होगा।

श्री हरदेव जी ने आपका पता मुझसे पूछा था मैंने मना कर दिया कि मुझे नहीं मालूम फिर श्री गुरुजी की आज्ञा मिली कि बतला दिया जावे सो मैंने उन्हें आपका पता बतला दिया है। गुरुजी यहाँ पर ही है। मैं अब क्या करूं आपकी आज्ञा का इन्तजार कर रहा हूं। सन्दूक को १-२ रोज में खुब वाऊंग सोई वह पुस्तक भेज दूंगा देरी के लिये क्षमा चाहता हूं आगे मुझसे पत्र लिखने में हमेशा भूरियां होती ही है क्योंकि इतनी तीव्र बुद्धि नहीं है सो जो सब विषकुछ ठीक लिखा जावे इसके लिए क्षमा चाहता हूं और मेरी पीठ की रीढ़ की हड्डी में दर्द रहता है कभी २ तो बहुत ही जाता है मैंने कुछ भी नहीं लगाया है, आशा है अपने आप ही ठीक हो जावेगा।

आपका आज्ञाकारी
चरण सेवक
लक्ष्मीचन्द्र

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

सेवामें

28/7/48

Dhansh Bharatpur

श्री १०८ श्री आनन्दस्वामीजी
महाराज

c/o Jai Ram babu
Gita Bhavan
P.O. Rishikesh
Near Haridwar
Distt. Dehradun

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

* श्रीः *

धनेशचन्द्र शर्मा
आयुर्वेदाचार्य वैद्यराज मेडलिस्ट
(पी० भी०, देहली)

श्रीआशुतोष चिकित्सालय
सिरकीपारा
भरतपुर ता० २८।७।४७

श्रीमान् पूज्य श्री बाबा महाराज के चरणों सादर प्रणाम।

आपका कृपा पत्र आज मिला। श्री मिश्रजी दो पत्र हरिद्वार के पते पर भेज चुके हैं। आपके वहां न होने के कारण नहीं मिल सके।

श्री १०५ मान् १७ ता. के रात्रि से अज्ञात हैं। १७ को अलवर की कहकर पधारे थे और दूसरे दिन वापिस आने की कह गये थे परन्तु अभीतक अज्ञात हैं। एक पत्र श्री मिश्रजी के पास अज्ञात स्थान से आया था उसमें लिखा था कि वे कहीं ऐसे स्थान को जा रहे हैं। जिसका पता मालूम नहीं हो सकता तथा [illegible] को ताली देने के लिये लिखा था। दूसरे दिन श्री मिश्रजी तथा [illegible] अलवर गये वहां पर वे नहीं पधारे थे। बच्चों को मिश्रजी यहां ले आये हैं रात दिन

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

सेना पीटना चल रहा है। सभी व्यक्ति अत्यन्त दुःखी हैं। आपका पत्र जिसमें आपने अश्रुओं की ओर संकेत किया था उनके सामने ही आगया था। आपका पता भी उन्होंने पूछा था। शेष कुशल है। आशा है श्रीमान भी आनन्द पूर्वक होंगे। इस विपत्ति से सभी विचलित हैं आशा है आप इस महान् विपत्ति को दूर करेंगे। योग्य सेवा से सूचित करने की कृपा करें। सबों का जय शंकर

विनीत-धनेश

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये

10/12/15

अनन्त श्री विभूषित
"श्री जी"
द्वारा
बाँकेलाल जी राजकुमार जी अग्रवाल
१२ रंजीत प्रेस
विड़ला मन्दिर
नयी दिल्ली

सीधा मोड़

भेजने वाले का नाम और पता :-

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ગ્રાહક પક્ષે, આપણે એ જોઈ ચૂક્યા કે, મિલકત ખરીદવા માટે કોણ કોણ કાયદેસર હકદાર બને ?

કોઈપણ મિલકત ખરીદવા માટે બે પ્રકારની વ્યક્તિઓ હકદાર બને છે. (૧) સગીર વ્યક્તિ અને (૨) પુખ્ત વ્યક્તિ. સગીર વ્યક્તિ એટલે કોણ ? તો ભારતીય પુખ્તવય અધિનિયમ, ૧૮૭૫ ની કલમ ૩ મુજબ જે વ્યક્તિ ૧૮ વર્ષની ઉંમર પૂર્ણ કરી ચૂકી હોય તે પુખ્ત વ્યક્તિ કહેવાય છે. પરંતુ જો કોઈ વ્યક્તિ માટે કોર્ટ દ્વારા વાલી નિમવામાં આવ્યા હોય તો તે વ્યક્તિ ૨૧ વર્ષની ઉંમર પૂર્ણ કરે ત્યારે પુખ્ત વ્યક્તિ કહેવાય છે. આમ, સગીર વ્યક્તિ પોતાના નામે મિલકત ખરીદી શકતી નથી. પરંતુ તેના વાલી તેના વતી મિલકત ખરીદી શકે છે.

આપણે જોયું કે કાયદા મુજબ કોણ કોણ મિલકત ખરીદી શકે છે. હવે આપણે જોઈએ કે કોણ કોણ મિલકત ખરીદી શકતું નથી. કાયદા મુજબ નીચેની વ્યક્તિઓ મિલકત ખરીદી શકતી નથી.

૧) વિદેશી દુશ્મન
૨) ભારતીય કંપનીમાં ૫૧% થી વધુ વિદેશી રોકાણ ધરાવતી કંપની
૩) ભારતીય કંપનીમાં ૨૪% થી વધુ વિદેશી રોકાણ ધરાવતી કંપની
૪) વિદેશી નાગરિક
૫) વિદેશી સંસ્થા
૬) વિદેશી ટ્રસ્ટ
૭) વિદેશી કંપની

ઉપરોક્ત વ્યક્તિઓ ભારતમાં મિલકત ખરીદી શકતી નથી. પરંતુ ભારતમાં મિલકત ધરાવતી વ્યક્તિ પાસેથી વારસાઈ, ભેટ, વસિયત કે વેચાણ દ્વારા મિલકત મેળવી શકે છે.

આમ, ઉપરોક્ત કોઈ પણ વ્યક્તિ કે સંસ્થા મિલકત ખરીદવા માટે ગેરલાયક ઠરે છે. પરંતુ ઉપરોક્ત વ્યક્તિઓ કે સંસ્થાઓ ભારતમાં મિલકત ધરાવતી વ્યક્તિ પાસેથી વારસાઈ, ભેટ, વસિયત કે વેચાણ દ્વારા મિલકત મેળવી શકે છે.

ધન્યવાદ.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये

2/1/58

सेवामें "श्री जी"

c/o

श्री लाला बाँकेलाल राजकुमार अग्रवाल

१२ रंजीत प्रेस

बिरला मन्दिर के सामने

नई दिल्ली

भेजने वाले का नाम और पता :-

मिश्र गोविन्द

नौबुर्ज

भरतपुर

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

वे अभी वैशाखी तक हरिद्वार ही निवास करेंगे केवल शिव चतुर्दशी पर सोलन जायेंगे। आपके लिये उन्होंने प्रणाम लिखे हैं।

पं० श्री बलजिन्नाथजी का पत्र आया है उन्होंने जनवरी अथवा फरवरी में जब आप आज्ञा दें दर्शन करने आना है यह लिखा है। यह समाचार मैंने श्री राजा साहब को भी लिख दिया है क्योंकि मेरे मन में यह बात थी कि इन दिनों आप अवश्य हरिद्वार पधारे होंगे।

श्री लाला बांकेलाल जी आदि सभी को यथोचित जयशंकर

श्री जैन साहब श्री चरणों में सादर प्रणाम निवेदन कर रहे हैं और यह कह रहे हैं कि मुम्बई से लौट कर ही आपके दर्शन करें तो अच्छा है ताकि सब प्रोग्राम बन सकै अन्यथा जैसी आज्ञा हो। आपका पत्रोत्तर आने पर ही वह यहां से जायेंगे। शेष चरण कृपा मेरी समझ हरिद्वार पधारने को यह अवसर उचित है यदि पधारें तो वह कार्य भी हो ही जाय आगे जैसी इच्छा। आपका गोविन्द

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

भेजने वाले का नाम और पता :-

मिश्र गोविन्द
मौर्य जी
भरतपुर

पहला मोड़

अन्तर्देशीय पत्र
इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये

सेवामें
"श्री जी"
C/O
श्रीमान् बाबा कमल राज कुमार आश्रम
१२ ईजीपुरा
विरला मन्दिर के सामने
नई दिल्ली

2/1/58

श्री: । भरतपुरत: २-१-५८

श्रीमानन्त श्री विभूषित बाबा महाराज के पुनीत पाद पद्मों में दासानुदास गोविन्द के कोटिश: प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वत: कुशलमस्तु चिरकालानन्तर कृपा पत्र अभी मिला इससे पहले एक पत्र लाला बाँके लाल जी का और एक आपका लिखित मिले थे आपके पत्र का तत्काल उत्तर देदिया गया भगवान जाने आपको क्यों नहीं मिला।

अभी तक जैन साहब के पास मुम्बई से कोई उत्तर नहीं आया है अत: इस समय कलकत्ते का कोई प्रोग्राम नहीं जैन सा० २-३ पत्र लिख चुके हैं उत्तर कोई नहीं ऐसी स्थिति में क्या कहा जाय हां अब जैन सा० स्वयं मुम्बई जाने की सोच रहे हैं अत: वहां से आने पर ही इस बारे में सोचा जा सकेगा।

१५-१२-५७ को हरिद्वार से श्री-१०५ मान्य राजा साहब का पत्र आया है

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

पं. गोविन्द [illegible]
५०
वैद्य श्री बृहस्पतिदेव त्रिगुणी
मोगल रोड
P.O जंगपुरा
देहली नं० १४

उमा, अनुसूइया संतोष
असती
आदि आपको प्रणाम कहते हैं।
श्री. भगवत प्रसाद जीव कौल साहब
प्रणाम कहते हैं। श्री योगेन्द्र जी आपको
चरण स्पर्श कहते हैं। और सभी
पैशंकर कहते हैं। "श्री जी" कोटि २
चरण स्पर्श स्वीकार हो। श्री योगेन्द्र
को। नगर वाले पं. मनोहर लाल
जी अभी नहीं आये हैं १० दिसम्बर आर्य जी

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

श्री

भरतपुर

ती: २०-१२-६०

श्रीमान परम पूज्यनीय पं. जी को
जगदीश गोपाल महेश योगेश का
प्रणाम मालूम हो। पत्र आपका
आया पढ़कर समाचार जाने
हम यहां पर सब राजी खुशी हैं
आपभी सब कुशल पूर्वक होंगे
वीरेश्वर, धर्मेश्वर आपको
पंडितानी जी को प्रणाम कहते हैं
पत्र आपको डाला मिला होगा।
आप घर की तरफ से चिन्ता न
करें सब ठीक है।
श्री. बाबूलाल जी की तबियत
अभी इसी प्रकार की चल रही है
बुखार आ रहा है आप किसी
बात की चिन्ता न करें।
माजी आपको अशीष कहती हैं

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi
Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi, Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पोस्ट कार्ड

केवल पता

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्रीः। [illegible]

दि. २७/४/६१ई.

अनन्त श्री विभूषित श्री बाबा महाराज के पुनीत चरणारविन्दों में दासानुदास विश्वम्भर के कोटिशः साष्टाङ्ग प्रणाम स्वीकृत हों। बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति थोड़ा सा असन्तोष अवश्य है, शेष सर्वतः कुशलमस्तु श्री पंडित जी महाराज ने आपको साष्टाङ्ग प्रणाम निवेदन की है, तथा कल उनको आपकी तरफ से विशेष बेचैनी रही है। एक पत्र भी उन्होंने कल आपको समर्पित किया है लेकिन किसी उन्हें तसल्ली नहीं थी अतः पुनः मुझे पत्र समर्पित करने को आदेश दिया था जो आपके चरण कमलों में प्रेषित कर रहा हूँ। वह जल्दी सी में किसी गाँव जा रहे थे इसलिए स्वयं नहीं लिख सके। आपके स्वास्थ्य का तथा पत्रों का कोई प्रत्युत्तर प्राप्त न होने से बड़ी बेचैनी की जा रही है लगभग सभी लोग व्यथित हैं। कि कब श्री चरणों के पुनीत समाचार मिलें। श्री जन साहब के शरीर न रहने के समाचार पाकर बड़ा दुख हुआ है। श्री मांजी [illegible]

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGan

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

भी प्रार्थना की है। शेष कुशल है। चि. कैलाश धर्म्म, शास्त्री नेमीचन्द्रजी, पुजारी सियाराम जी, ठाकुर विश्वम्भर सिंहजी, पं. नत्थीलालजी मिश्र भगवत प्रसादजी, श्रीमतीजी आदि सभी के सादर प्रणाम स्वीकृत हों। विशेष समाचार यह है कि शास्त्री नेमीचन्द्रजी की नियुक्ति संस्कृत अध्यापक खण्डार (जिला सवाई माधोपुर) होगई है वह आज वहां जा रहा है। मिट्ठनलाल, पं. विष्णुजी, लाला उमाशङ्कर के भी प्रणाम स्वीकृत हों। गोविन्द: वहां के सभी प्रेमियों को जयशङ्कर)

श्रीमान् अनन्तराम [illegible]
C/O [illegible]
चौधरी दसौंधीराम मिलखाराम
पोष्ट ग्राम: सोहाना
वाया - पठडांगड़े
जिला - [illegible]
(पंजाब)

पिन PIN

Ami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

मध्यान्ह ११ बजे श्रीः। चौबुर्जा - भरतपुर
१०-२-७९

अनन्त श्री पूज्य पाद "श्री" जी महाराज के पाद पद्मों में दासानुदास के कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वत्र कुशलमस्तु। अभी २ कृपापत्र मिला, प्रसन्नता हुई। साथ ही स्वर्गीय श्री पं जटाशङ्कर जी का कैलाशगमन पढ कर खेद हुआ क्योंकि कुछ दिन पूर्व से मेरे मन में उन्हें पत्र लिखने की आ रही थी, अस्तु भगवान उन्हें पूर्णशान्ति प्रदान करें।

ग्राम पोष्ट वरसलपुर (जिला रूपनगर) से श्री मंगलजीत शर्मा का पत्र आपकी सेवा में आया है कि उनकी दो पुत्रियों का विवाह ७ फरवरी शनिवार का निश्चित हुआ है उन्होंने प्रार्थना की है कि आप इस शुभ अवसर पधार कर उन्हें कृतार्थ करें वहां पर सभी आपके दर्शनों के अभिलाषी हैं।

श्री रवि शर्मा का पत्र मिलते ही उत्तर दिया किन्तु प्रत्युत्तर न आने से लाला रतनलाल जी को पत्र लिखा अद्यावधि उनका भी उत्तर नहीं आया है। वरसलपुर वालों ने

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi
Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

To,

The Central Pulp Mills
LTD. 1183 Shivaji,
Fergusson College Road
Poona 5

dwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Del
hi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGa

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्रीः। चौबुर्जा - भरतपुर
[illegible] बजे
१९-४-७३

अनन्त श्री सर्वतन्त्रस्वतन्त्र करुणासागर आपकी सदा जय हो। सर्वतः कुशलं सत्यं शिवं सुन्दरमेव च। अभी २ कृपा पत्र प्राप्त हुआ। "प्रभो! शम्भो!" अभीतक नहीं छप सका है जब कभी मैं श्रीरामजीलाल भारद्वाजजीके प्रेसमें जाता हूं वे नहीं मिलते हैं। मिल जाते हैं तो आजकल कर देते हैं। श्री छोटेलालजी के तो दर्शन ही नहीं होते। मैं दिनरात श्री माजीके कारण दुःखी रहता हूं। यह सब विलास [illegible] है। [illegible] आप सब जानते हैं। यहां किसीका कोई पत्र नहीं आया है। श्री H.H. की स्थिति भी भारी शोचनीय है। और होती जा रही है।

श्री पं० ब्रह्मदत्तजीके पत्रसे पूना पधारनेके समाचार मिले थे। श्री पं० करुणाशङ्कर जी चतुर्वेदी से अबतक मिलना न हो सका है। श्री पं. केशवदेवजी चतुर्वेदी भू.पू. दानाध्यक्ष जी से बातें की तो उन्होंने १-२ और चतुर्वेदी बतलाये हैं। पर मेरी समझसे तो आज कल नाममात्रके पूर्णाभिषिक्त ही मिलते हैं। यों तो सुना है कि बनारसमें १२५/ रु. में पूर्णाभिषेक कर दी है। आगे जैसे भगवान [illegible]

चि. वीरेश्वर १-४-७३ को यहां आगया और गत परसों परीक्षा देने मथुरा गया है आजसे इन लोगोंकी परीक्षा शुरू है। उसके आनेका कारण यह हुआ कि २५-३-७३ को नरवर आश्रममें एक मध्यमाके विद्यार्थीकी टांग टूट गई और वहांके नैनेजर तथा उपप्रधानाचार्यादिने उस समय उस विद्यार्थीको कुछ सहयोग नहीं दिया अतः लखनने ६ विद्यार्थी और साथ लेकर उसे अलीगढ़ हस्पताल जाकर दाखिल कराया और रात्रिको लौट कर आये तो भोजन भी नहीं मिला तथा दूसरे दिन डांट और दी गई कि तुम बिना आज्ञा क्यों गये। इस पर इसे क्रोध हो गया और [illegible] समाचार पत्रोंमें [illegible] दे दिया तथा १ पत्र डायरेक्टर तथा १ पत्र इन्स्पेक्टर को दे दिया। समाचार पत्रमें पढ़नेपर उपप्रधानाचार्यजीने तो कुछ नहीं कहा पर धरणीने कहा कि मजिस्ट्रेटीमें सब पता चल जायगा। यह सुन कर लखनने सोचा कि हम दोनों भाई भाइयोंमें कलह बढ़ जायगा। अतः यहांसे घर चलना अच्छा रहेगा। धरणीधरके पत्रसे ज्ञात हुआ है कि वहांका स्टाफ इन दोनोंसे ही असन्तुष्ट है। धरणी बार २ अपने पत्रोंमें आपका पता पूछता रहता है। इस पत्रमें भी उसने प्रणाम लिखे हैं और पता पूछा है। प्रवेशपत्र लखनको दिया अथवा नहीं इसका एक दो दिनमें पता चल जायगा। संभवतः श्री [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

आज ही रात्रिको मथुरा जायेंगे। एक मास पूर्व श्री गिरिराजधरणजी का पत्र आया था उनको बार २ यही भ्रम हो जाता है कि मेरी दीक्षा नहीं हुई है। अतः मैंने उनके पत्रका उत्तर नहीं दिया कि इस रोगका कोई इलाज ही नहीं है। गत ४-५ दिन पूर्व कुछ क्षणके लिये श्री पं० गिरिराज प्रसादजी कामावाले आये थे वे प्रणाम निवेदन कर गये हैं। उनकी ड्यूटी आजकल कोटा लगी है। गृहिणी प्रणाम निवेदन कर रही है और कह रही है कि मेरा अन्धत्व कब दूर होगा। इन दिनों अन्धत्व काफी बढ़ गया है पर अभी आँख बनने लायक नहीं हुई है। श्री पं० सियाराम जी चि० धर्मेश्वर वीरेश्वर धरणीधर श्री पं० मनोहरलालजी दोनों श्री छोटेलाल डा० तिवारी डा० किशनचन्द आदि सभीके सादर प्रणाम ज्ञात हों। कुछ दिन पूर्व श्री दुर्गाजी का पत्र आया था। उन्होंने प्रणाम लिखे हैं। श्री परशुराम जयन्तिप्रवेश [illegible] मनाई जायगी। आपने अपने स्वास्थ्यके बारेमें कुछ नहीं लिखा है सो लिखें। भगवान श्री मृत्युञ्जय आपकी दीर्घायु करें यही प्रार्थना है। श्री एम० एस० पाररवे साहबको मेरे जयशङ्कर ज्ञात हों। उनके परिवार देवताओंको भी जयशङ्कर। यदि श्री भगवान परशुराम जीके चित्र तथा कुछ नवीन अथवा प्राचीन साहित्य भी भेज दें तो अच्छा है। मेरे पास कासगंज के एक पं० जी आये थे उन्होंने वहां श्री परशुराम मन्दिर बनाकर श्री परशुरामजी की स्थापना की है तथा प्रति वर्ष उत्सव मनाते हैं। शेष कृपा। गोविन्द: कृपा पत्र देते रहें।

To,
The Central Pulp Mills
LTD. 1183 Shivaji
Fergusson College Road
Poona 5

21.4.73
8 AM
DELY
POONA-5

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

wami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGango

Pandit Jiwa Ram & Sons.

CONTRACTORS & GENERAL SUPPLIERS

PRESIDENT'S HOUSE & HON'ABLE PRIME MINISTER'S HOUSE

पं० जीवा राम एन्ड सन्ज कन्टरेक्टर्स. प्रेजीडेन्टस स्टेट, न्यू देहली-शिमला।

President's Estate,
NEW DELHI & SIMLA,

Ref. No .....

Dated 9/1/1971

श्री परम पूज्य वर

सादर चरण वन्दना

कृपा आशीष पत्र मिला समाचार पाए।

आप के आशीर्वाद तथा कृपा से हम दिल्ली से 22/12/70 को चले थे, प्रयाग, बनारस हो कर 25/12/70 शाम को गया जी पहुंचे और सब कार्य ठीक ढंग से हो गया, वापस 30/12/70 रात दिल्ली आ गए, साथ में माता जी बहिन कौशल्या, छोटी मुन्नी नीरजा तथा उस की माँ भी थे। पं० दामोदर जी तथा पं० गोपालदत्त ज्योतिषी जी भी साथ में थे। आप के आदेश तथा कृपा से सभी कार्य ठीक हुए।

आज पं० दामोदर जी मिले हैं उन से भी आप के आदेश बता दिये हैं वे वैद्य जी से मिलकर पूर्ण विवर्ण लिखेंगे।

यहाँ से सभी की ओर से सादर चरण वन्दना स्वीकार करें। आप के दर्शनों की सभी को लालसा है।

श्री तिक्कू साहब की सेवा में सादर नमस्कार।

जल्दी ही दर्शनों का सौभाग्य प्राप्त हो इसी आशा में - (शिवराज)

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

TO:

PUJYAPAD SAWAMI "AMRIT JI"
Quarter No: C-22
Moti Bagh South
NEW DELHI

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

"ॐ"

शिमला।
दिनांक 30 जून 1982

आदर्णीय पूज्यपाद स्वामी "अमृत" जी,

सादर चर्ण वन्दना।

कुछ समय पूर्व जब आप 13/66 में विराजमान थे, मैंने आपकी सेवा में एक पत्र भेजा था, आशा है आप को मिल गया होगा। वर्तमान रहने का पता मैंने अपने रिश्तेदार (Mr: Shubhash) जो दिल्ली में ही रहते हैं के द्वारा प्राप्त किया जिन्होंने कुछ दिन पहले आपसे भेंट की थी। आजकल आप स्वस्थ हैं, यह जानकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई। इस बार नालागढ़ तथा कुनिहार में भी गर्मी का प्रकोप अधिक नहीं रहा तथा शिमला में भी मौसम सम ही रहा। शुक्ल एकादशी का व्रत अभी जारी है।

"प्रार्थना"

यदि महाराज जी की कृपा हो तो कृपया कुछ समय के लिए शिमला पधारने का कष्ट करें। यदि आपकी स्वीकृति हो तो सेवक आपको लाने की व्यवस्था करे। रहने की व्यवस्था आप की इच्छानुकूल होगी।

विनीत,
रतनलाल पाल

Office of Forests
Conservator of Circle
Soil Conservation SIMLA (H.P.)
Tallond,

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

बधाई
Greetings

भारतीय डाक तार विभाग

INDIAN POSTS & TELEGRAPHS DEPARTMENT

Cm-R-175

Cm=62

संख्या/No.....

मूल तारघर/Office of Origin	तारीख/Date	तार देने का समय ....बजकर ..मिनट Time handed in 13.Hrs.0....Mts.	तार पहुँचने का समय ..बजकर ..मिनट Recd. here at.....Hrs.....Mts.
CHANDIGARH	30		

Shri Ji Maharaj

Many Happy returns of the day — NO. P.F.M

इस तार के विषय में यदि कोई पूछ-ताछ करनी हो तो इस फार्म को साथ में भेजें। This form must accompany any inquiry made in respect of this telegram.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

DR. R. C. GUPTA & Co.

BHARATPUR

श्री मानू अनन्त श्री बाबा महाराज

c/o

के. डी. जगदीश एण्ड को

ड्रगिष्ट एण्ड कैमिष्ट

चाँदनी चौक देहली

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्रीराष्ट्रश्लोकः

"राष्ट्रशिक्षा का महात्म्य क्या है ?"

राष्ट्रस्योत्थानपतने राष्ट्रियानवलम्ब्य हि ।
भवेत्तस्सर्वदा तस्माच्छिक्षणीयास्तु राष्ट्रियाः ॥१५॥

[राष्ट्रका उत्थान तथा पतन राष्ट्रियोंके ऊपर ही अवलम्बित है, अत एव राष्ट्रिय सर्वदा शिक्षासम्पन्न होने चाहियें ॥१५॥

स्वराष्ट्रशिक्षां गृह्णीयाच्चिकीर्षुः स्वां समुन्नतिम् ।
दूरदृष्टिर्यया भूत्वा न कदाऽपि विषीदति ॥१६॥

[अपनी अच्छी प्रकारकी उन्नति चाहने वाला पुरुष स्वराष्ट्रशिक्षा ग्रहण करे जिस स्वराष्ट्रशिक्षासे दूरदृष्टि हो कर कभी भी खेद नहीं करता ॥१६॥]

सदाऽऽचरन्तः कार्याणि राष्ट्रशिक्षाञ्जनाञ्जिताः ।
इहाऽमुत्र च सौभाग्यं प्राप्नुवन्ति नरोत्तमाः ॥१७॥

[राष्ट्रशिक्षारूपी अञ्जनको आंखोंमें लगा कर सर्वदा कार्य करने वाले नरश्रेष्ठ इस लोकमें तथा उस लोक में भी सौभाग्य प्राप्त करते हैं ॥१७॥]

राष्ट्रियज्ञानसम्पन्नान् पुरुषानवलम्ब्य ये ।
समाचरन्ति कार्याणि दुःखान्ते यान्ति तेऽपि वै ॥१८॥

जो लोग राष्ट्रियज्ञानसम्पन्न पुरुषोंका आश्रय ले कर कार्योंको अच्छी प्रकार करते हैं, उनका भी दुःख अवश्य ही नष्ट हो जाता है ॥१८॥

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

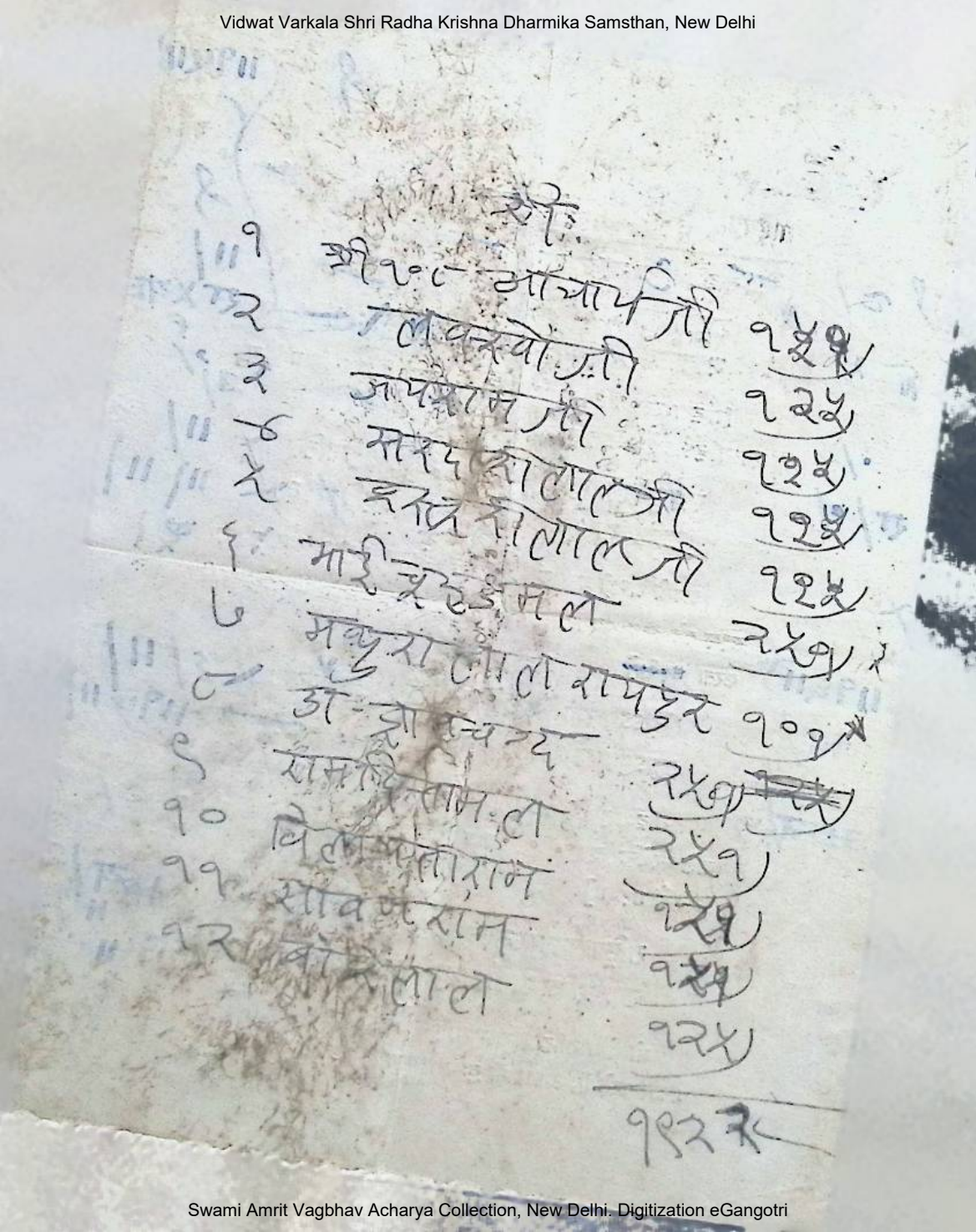

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Pandit Jiwa Ram & Sons
CONTRACTORS & GENERAL SUPPLIERS
President's House & Hon'able Prime Minister's House
पं० जीवा राम एन्ड सन्ज कन्टरेक्टर्स, प्रेजीडेन्टस स्टेट, न्यू देहली-शिमला।

President's Estate,
New Delhi & Simla

Ref. No...... *Dated*.....13-7.....1972

श्रीमद्गुरुचरणयोरावयोः कोटिशः प्रणामाः समुल्लसन्तु तमाम्
शमन तमापि भवेत्।

कृपा पत्र प्राप्त कर अपार हर्ष हुआ। सबको सूचित कर दिया जायेगा। कई दिनों से चिन्ता थी। परन्तु केवल द्वारा दामोदर शर्मा को सूचना मिल गई थी। यह अपार हर्ष है जो आप व्यास पूर्णिमा पर देहली पधार कर हमें अपने आशीर्वाद से कृतार्थ करेंगे। यहां सब कुशल है शिवराज जी के समस्त परिवार की ओर से सादर अभिवादन। शेष कृपा है। दामोदर शर्मा का स्वास्थ्य काफी दिन से अस्वस्थ था रक्त विकार से व्रणादि थे अब ऐलोपैथिक उपचार से ठीक हो रहा है। हम दोनों को कई दिन से स्मरण हो रहा था। मैं त्रिगुणेश्वर मन्दिर में 28-7-72 को सायंकाल देख लूंगा। शेष गुरुचरण दर्शनानन्तर श्री जटाशंकर जी को हम दोनों का प्रणाम।

भवदीयौ. शिवराज दामोदर शर्माणि

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ओं — 4-5-51 —

श्रीमान् ब्रह्मचारी, अचिंतराम जी

प्रणाम

आप मथुरा पंजाबी धर्मशाला में हैं

हम लोग अंबाला शहर में हैं

यह महात्मा आ रहे हैं बन सके तो

इनकी सेवा करनी

पं. तेजभान शर्मा

अंबाला शहर

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पूज्य "श्री" जी महाराज

Sri N. R. Akoot

c/o Sri Kashinath Verma

Japleengaunj

(Ballia)

U.P

5/5/71

Roshanlal

ACHHRURAM KALKHOF & CO.
(SHELLAC) PRIVATE LTD.
MURHU, DIST. RANCHI.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

AK ACHHRURAM KALKHOF & CO.
< shellac > PRIVATE LTD.

BANK : THE UNITED COMMERCIAL BANK LTD., CALCUTTA-1

REGISTERED OFFICE : 25/26, STEPHEN HOUSE
5, DALHOUSIE SQUARE EAST
CALCUTTA-1
PHONE : 23-4511, 23-9592
GRAM : VIVIFICO

MURHU
DIST. RANCHI
(BIHAR)

YOUR REFERENCE YOUR LETTER OUR REFERENCE

5/5/71

आदरणीय स्वामी जी

सादर प्रणाम.

आप का पत्र मुझे कल मिल गया था. 1/5/71 का लिखा, 10/5/71 को चल कर श्री प्रीतम लाल जी आप के पास 11/5/71 को पहुंच जाएं गे और आप को साथ ले कर आवें गे। आशा है इसी बीच मेरा पहला पत्र भी आप को मिल गया होगा. यहां आने का रास्ता बड़ा सीधा है, आप को रास्ते में कोई कष्ट नहीं होगा - मैं ने सोहना श्री एमकिशन चाचा जी को आने के लिये पत्र लिखा है देखें वे आ पाते हैं कि नहीं।

श्री अमृत जी को प्रणाम,

आप का
रघुनाथ

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Shri Swami Ji, c/o.
Shri Balji Nath Pandit,
Near the house of Haldar ju cheero,
Amantnag (Kashmir).

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

પૂજ્ય સ્વામી જી,

નમસ્કાર।.

આપ કી કુશલતા

કા પત્ર પ્રાપ્ત હુઆ ઔર પઢકર હૃદય પ્રસન્ન

હો ગયા।. આપને મેરે પરીક્ષાફલ કે બારે મેં

લિખવા હૈ। સો, આજ તક તો આયા નહીં।.

જિસ દિન ભી આયે ગા, ઉસકે દુસરે દિન મૈં

આપકે પાસ પહુંચ જાઉંગા।.

શેષ સબ કુશલ હૈ।

આપકા

આજ્ઞાકારી.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

१३-७-५३
लहरा मंडी से

श्री पूज्यपाद प्रातःस्मरणीय परम श्रद्धेय महाराज जी

लहरा गागा मंडी से चानन राम वैद्य की कोटिशः

प्रणाम स्विकार करें आपको दर्शनों कि अभिलाषा

उत्कट होते हुए भी घर के जंजाल के कारण न कर सका यह बड़ा

खेद है श्री परम प्रिय ज्योतिषाचार्य हरदेव जी ने आपकी देहली

पहुंचने की सूचना दी थी जिसकी प्रतिक्षा कर रहा था स्वामिन्

क्या बताऊं (कहुं) बन्धन छोड़ने की बजाय दिनोदिन अधिक

उलझाते जा रहे हैं इसमें प्रारब्ध ही मुख्य समझें अथवा

अपनी भूल, इसमें आपकी कृपा दृष्टि और पक्का कदा सदुपदेश

मिलता रहा तो संभव है अवश्य किसी दिन निवृत्त हो ही जायेगा

और मैं हृदय से बहुत काल से आप जैसे योग्य परिपूर्ण गुरु की

खोज में था जोकि देववश प्राप्त हुए तभी से आपके चरणारविन्द

का नित्य स्मरण करलेता हूं और एक प्रार्थना भी कर रहा हूं कि

यदि कभी इधर से पधारने की कृपा करें तो अवश्य दर्शन दें

और पहले सूचना ताकि आगे सेवा में हाजर हाजर हूं

बाबू भगवान दास जी भी आपको याद करते रहते हैं उन को

आपकी सूचना दे दी थी मैं स्वयं पहुंचता परन्तु लाचारी से

असमर्थ रहा अभिकन्या को कोई वर प्राप्त नहीं हुआ आपका

बताया व्रत कर रहा हूं

आपका सेवक चानन राम वैद्य

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

१३-७-५३

लहरा गागा मेडी से

श्री प्रिय हरदेवजी ज्योतिषाचार्य लहरा मंडी से वैद्य
चाननरामकी प्रणाम आप का पत्र मिला श्री उपाध्याय
स्वामीजी का प्रोग्राम भी मिला परन्तु खेद है कि मैं सेवामें
आपके तथा स्वामीजी के हाजीर होकर दर्शन नहि करसकूंगा
कारण कई ऐसी उलझनेसी हैं और अबतक पुनः
कोई अनुष्ठान का प्रोग्राम भी नाहि मैंने और नाही वलेख
ने किया है जिसके सम्बन्ध मे निर्णय अंक्रमे दिया
जाय पिछले परिश्रम का कुछ भी फल प्राप्त नही हुआ बेशक
भाव २८) तक ठीक पहुंचा मंदे की परीक्षा अभि चालू
नही हुई थोडा निचे हुआ है होते जाना चाहिये हां यदि
आप देना चाहें तो सिद्ध दैवी चान्द्र चार वस्तुओं का (सोना
चान्दि - कपास का लेना चाहें तो फीस इतनी श्रीस्वाध्याय
सदन अथवा मेरे नाम का फीस ५१) अथवा १००) बारमे
दशांश यदि मांग हुई तो करलेंगे क्योंकि परिश्रम बड़ा
है पांचसो अथवा एक हजार कोई अकेला देनेवाला
हो तो फोरन करभीलें मैं कुछ अपनी मंद प्रारब्ध समझता
कि कोई लाभ न उठासका भृगुसंहितानुसार १११ वर्ष शेष है
अभि कन्याको कोई लड़का मंगलीक प्राप्त नही हुआ वह
खेलनेवाले भी टालमटोल करेंगे यह भी चिन्ता लगी रहती
है [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

To

Shri Gobind Missra
Raj Pandit
Chow Burji चौबुर्जी
Bharat Pur
(Rajasthan)

Nitra Kant Jain
G-4A1
Srinivas Puri
New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Shri

Shri Respected Pandit Gobind Mishra ji
Jai Shanker.

Under the kind patronage of Shri ji we have published "Prabho Shambho" Kaulva 3 copies of which are sent herewith for Shri ji & yours information & Examination.

We all from here, Vaidji, Pt Durga Dutt Bhagwan Dass, Bakshi ji, L. Bankey Lall Rai Kumar send our best respects to Shri ji, whose trace & whereabouts are not known to us from the last 2/3 months. Please inform us the present location of Shri ji & convey him our compliments.

All are happy here by Shri ji grace & wish you all at Bharat Pur.

Best Compliments to Mishra ji Lakhu ji from my side as well as L. Bankey Lall ji who ever asks me & remembers Shri ji the best.

Best here to Shri Gopal Mishra ji's kith & kins.

P.T.O.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Please write full details

about Shri Ji.

Yours faithfully

Nityanand Dwi

G 491 Srinivaspuri

New Delhi 14

Dear Nityānandaji, Thanks for the five copies of Cri ~~Five copies of~~ 'Prabho Çambho' received today. Shri jī is quite healthy and has been sojourning here for a few days after returning from ~~Puskarraj~~ Puskara Tirtha (Ajmer). He is expected to leave for Delhi ~~within~~ shortly, say, after ~~to~~ 2 or 3 days. Paṇḍita Govinda Miçra conveys his good wishes to ~~you~~ all of you.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Plans to get the land derequisitioned from Delhi Administration in favour of The Hauz-Khas Vatika Housing Association (regd.)

1. To convert the H.K.V.H.A. into a Co-operative House Building Society.
2. To approach the Housing Commissioner with relative documents to emphasize the genuinity of the cause and pray for release of land in our favour.
3. To seek help from Ch, Brahm Prakash.
4. To approach Shri Mehar Chand Khanna for intervention in this matter.
5. To see The Chief Commissioner and plead for derequisitioning,
7. To represent a deputation to The Home Minister for relief.
8. To address all the copies of above activities to The Prime Minister.
9. To beg from The President of India restoration of land in our favour Sold by him.
10. To challange the acquisition-orders in the court of law. viz; High Court. Supreme Court.
11. To move the Press & Public for sympathy & support.

Documents to be procured for preparing the above plan.

1. Registration Certificate of The Hauz Khas Vatika Housing Association.
2. List of Owners, Associates, their complete addresses, share and specific interest in land now under our development plan.
3. By-laws of Co-operative House Building Societies.
4. The members of the association who have other properties in Delhi and as such can'tbecome the meber of the Co-operative House Building Societies.
5. Membership forms (original) as well as copies of each member and associate.
6. Memorandum of The Hauz Khas Vatika Housing Association.
7. Minute-Book and a dozen copies of it proceedings in cyclostyle.
8. Certificate of Bank Opening Account & Pass Book uptodate.
9. Copy of Letter requesting the House Commissioner for additional land to be requisitioned for us.
10. Photographs, Film, Press Cuttings in our favour.
11. Any similar proposition that has been de-requisitioned.
12. Gazette Publication acquiring our land under Section 4 & 6
13. Set of Notices under section 9 & 10
14. Letter of recommendation from Mr. Pradhan.
15. Copies of Power of Attorneys and affidavits in favour of Mr. A.D.Jain.
    Certificates of Ownership of Land.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री १०८ श्री महाचार्य
श्री अमृतवाग्भव जी महाराज के
पवित्र चरणों में

1623

C/o Balu Kasturi Lal Ji Anand
Medico Surgical Industries
Station Road
P.O. Bhandup
Bombay

मेहरचंद्र लक्ष्मणदास
प्रकाशक तथा पुस्तक-विक्रेता
चा चेलां, दरियागंज, दिल्ली–७

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGan

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Established 1870

MEHAR CHAND LACHHMAN DAS

PUBLISHERS, PRINTERS & BOOK-SELLERS

Kucha Chelan
Darya Ganj
DELHI

१९. १. ५४

परम पूज्य श्री महाचार्य श्री अमृतवाग्भवजी महाराज के
पवित्र चरणों में

सादर सविनय नमस्कार स्वीकार करें। मैं क्षमा याचना करता हूं कि आपकी सेवा में मैं कोई पत्र नहीं प्रेषित कर सका हालांकि मैं कई बार आपकी सेवा में लिखने के लिए सोचता रहा आपका पता भी मेरे पास नहीं था।

आप यह जानकर प्रसन्न होंगे कि जो मुकद्दमा मेरे भतीजे ने मेरे विरुद्ध किया हुआ था वह खारिज हो गया है और आप श्री के चरणों के प्रताप से मुझे विजय प्राप्त हुई है। यह सब आपके ही उपकार का फल है। आपने प्रभु के रूप में मेरी लाज रख ली है। मैं आपका कहां तक उपकार मानता हूं यह मैं कलम से लिख नहीं सकता। यह सब आपकी ही कृपा का फल है। मैं आपको किन शब्दों में बधाई दूं यह मेरी समझ में नहीं आ रहा है पर आपको सब कुछ जानते और समझते हैं। आपको क्या और कैसे बताऊँ।

आप दिल्ली कब तक पधारेंगे। मुझे सूचित करने की कृपा करें। और इधर मेरे योग्य कोई सेवा हो तो आज्ञा करें।

आपके श्री चरणों का दास
खजानचीराम

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

"श्री" जी,

C/o Shri Chimanlal Modi,
90/Teera
SINKANDARABAD.
Andhra Pradesh.

~~LuK Auto Ancillary (India) Ltd.~~
~~40-41, Industrial Area,~~
~~Faridabad (Haryana)~~

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

From:- S. K. Pandit
E/129 Greater Kailash-I
New Delhi-14.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

S. K. Pandit
E/129 Greater Kailash-I
New Delhi-14.

पूज्यपाद श्री स्वी,

सादर प्रणाम,

अपके दिल्ली से जाने के दिन ही पिता जी का पत्र आया था। मैं वह पत्र लेकर मंगल गया तो कश्मी जी आपको रेलवे स्टेशन छोड़ने गए थे। फिर मैं कुछ कर नहीं सका। परसों आपका पत्र कश्मी जी को मिला तो मैं ने उनसे आपका पता लिया। तो अपके लिये पिता जी का पत्र था वह भी मैं आज ही ~~[illegible]~~ भेज रहा हूं।

उन्होंने अब अपना विचार बदल लिया है। वे २५ दिसम्बर को वहां से चल देंगे और जलन्धर २६ अथवा २७ को पहुंच जाएंगे। वहां से उनको जम्मू वापिस जाना है। वहां का महीना का कुछ काम है। तदन्तर वे वहीं आना चाहते हैं जहां आप होंगे, परन्तु पक्का मैं ही कहीं। वे दो तीन सप्ताह आपके पास बैठकर श्री आत्मविलास की टीका पूरी करना चाहते हैं। उनको जम्मू में एक मकान भी मिल गया था। यदि आपके

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

दर्शन उनको कहीं नहीं हो सके तो उनका लिखना है कि वे फिर कुछ समय के लिये जम्मू में रहकर टीका पूजी करेंगे। परन्तु रहेंगे वहाँ अकेले। मौसम आदि के कारण में उन्होंने कुछ नहीं लिखा है। स्वास्थ्य भी उनका खराब ही है। काश्मीर में सर्दी के कारण और खराबी हो जाती है। इसी कारण से वे जम्मू में रहना चाहते हैं।

अब आप से विनती है कि आप अपने कार्यक्रम के बारे में सूचित करें। फिर मैं पिताजी को लिखूंगा जहाँ कहीं भी वे होंगे।

जनवरी मास के मध्य में उनका दिल्ली आने का भी विचार है। शेष सब कुशल है।

आपके चरणों में नतमस्तक

आपका

कृष्ण

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ADAN GOPAL MADAN MOHAN
ARYANA MERCHANTS & COMMISSION AGENTS
Kanak Mandi, Gali Post Office,
JAMMU TAWI.

To.
To Shree ji Maharaj
C/o Pt. Tala Shanker ji
Village Sohana Dist Rop
P.O. Sohana
(Punjab)

मदन गोपाल मदन मोहन
कनक मण्डी, गली पोसट आफस, जम्मू तवी।

Digitization eGangotri Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi.

Madan Gopal Madan Mohan

KARYANA MERCHANTS & COMMISSION AGENTS

Kanak Mandi, Gali Post Office, JAMMU TAWI.

मदन गोपाल मदन मोहन, कनक मण्डी, जम्मू तवी ।

No. .....

Dated 25-10-71

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

कोटा ५/१२/५०

आदरणीय - पंडित जी सा.

सादर नमस्कार।

आपका कृपा पत्र मिला। ई/

पूज्य श्री जी वहां विराज रहे है यह जानकर और प्रसन्नता हुई मेरा विचार दर्शन करने का है यदि कोटा की तरफ पधारने का विचार हो तो मुझे सूचित करावे। अनुगृहीत होऊंगा।

कुछ ही दिनों बाद मैं दिल्ली जाने का विचार कर रहा हूँ और वहां, ८, १० दिन ठहरने का भी है यदि पूज्य श्री जी को वहां दर्शन हो सके तो मुझे देहली विराजने की तिथियों से सूचित करावे।

मेरा सादर प्रणाम अर्ज करावे।

पत्रोत्तर शीघ्र ही प्रदान करावेंगे। सत्य प्रकाश

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

सत्यं वद ॥ जय बगरंगबलि ॥ धर्मं चर

श्री सनातन धर्म महावीर दल पञ्जीकृत, कालका

स्वर्ण जयन्ति समारोह

[20 मई से 28 मई 1972 तक]

सर्व धर्मानुरागी सज्जनों को जान कर हर्ष होगा कि इस वर्ष पन्जाब महावीर दल (*Regd*) "स्वर्ण जयन्ति" बड़ी धूम धाम से मना रहा है। अतएव प्रार्थना है कि निम्नाङ्कित कार्यक्रमानुसार पहुंच कर आत्म कल्याण मार्ग प्रशस्त करें।

:— संत शिरोमणि १००८ मुनि हरमिलापो जी, अन्य संत मण्डल तथा दिग्गज विद्वान् पराशर जी, पं० शिवा नन्द जी आयुर्वेदाचार्य वृन्दाजल वाले आदि पधार रहे हैं।

:— पुराण मर्मज्ञ शास्त्री कृपा राम जी शोघी वाले जो कालका में श्रीमद्भागवत्, विष्णु तथा शिवपुराण का कथानुष्ठान कर चुके हैं इस वर्ष "श्री नारद पुराण" अर्थात् हनुमच्चरित गायन करेंगे।

:— इस सम्मेलन में मुख्यत: धर्म तत्व तथा भक्त शिरोमणि हनुमान जी के जीवन दर्शन की विवेचना होगी।

:— कार्यक्रम विवरण नित्य घोषित होगा तथा परिवर्तन का अधिकार मन्त्री को होगा।

:— बाहर से आने वाले अतिथियों के आवास व भोजन की यथाशक्ति व्यवस्था होगी।

:— नगर संकीर्तन में प्रमुख भजन मण्डलियाँ, भजनीक व प्रचारक भाग लेंगे और विविध झांकियों का आयोजन होगा।

:— प्रधान मंत्री केन्द्रीय महावीर दल पं० अमर नाथ जी तथा अन्य अधिकारी गण भी पधारेगें।

कार्यक्रम :— सम्मेलन श्री सनातन धर्म महावीर दल कालका

20 से 24 मई तक नित्य	रात्री 8½ बजे	श्री नारद पुराण कथा
25 मई, बृहस्पतिवार	मध्याह्नोपरांत 3 बजे	नगर संकीर्तन अथवा हनुमान जी की सवारी
	,, 5 बजे	रेल पुल पर मुनि जो का स्वागत्
	,, 7 बजे	ध्वजारोहण पं मोहन लाल प्रधान केन्द्रीय महावीर दल (*Ex Home Minister Pb*) द्वारा तथा मुनि जी द्वारा आशीवार्द
	रात्री 9 बजे	प्रारम्भ सम्मेलन
26 27 मई नित्य	प्रात: 6½ बजे	सत्संग
	रात्री 8½ बजे	सम्मेलन
28 मई रविवार	प्रात: 6½ बजे	सत्संग
	मध्याह्नोपरांत 3 बजे	सम्मेलन
	रात्री 9 बजे	वार्षिक विवरण पत्र वितरण तथा सम्मेलन समाप्ति पर संत मण्डल द्वारा आशीर्वाद।

स्थान :— धर्मशाला ला० गोविन्द राम कालका

—: निवेदक :—

ला० वेद प्रकाश	पं० देश राज	ला० सत्य प्रकाश, कृष्ण देव कपिल	पं० सोम साथ	सभाजीत पाण्डेय
(संरक्षक)	(प्रधान)	(उप प्रधान)	(दलपति)	(मन्त्री)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

To,

Shri Amritvagbhavacharya Maharaj.

C/o

V. P. BAKHSHI

@ No 33 A

Hindustan Housing Factory

JANGPURA Bhogal

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ॐ

आदमी को चाहिये दुनियाँ में रहना किस तरह?
जिस तरह तालाब के पानी में रहता है कमल ॥

दिनाङ्क ३.६.६३

प्रातर्वन्दनीय चरणकमलों में

चरणकमल चञ्चरीक 'जगदीश' का
सादर प्रणाम ।

आप के शुभाशीर्वाद से सर्वथा आनन्द मङ्गल है। आप के शुभ आदेशानुसार 'श्रीमदमृतसूक्तिपञ्चाशिका' की हिन्दी आख्या के आदि और अन्त में दिये जाने के लिए कुछ छन्दोबद्ध शब्द सेवा में भेज रहा हूँ।

हिन्दी आख्या का नाम क्या दिया गया है, मुझे विस्मृत हो गया है अतः सेवा में प्रेषित की जा रही पंक्तियों के आरम्भ में ——— रेख देकर स्थान रिक्त छोड़ दिया है और अन्त में भी स्थान छोड़ दिया है कृपया हिन्दी आख्या के अन्त में लिखित [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अथवा हिंदी आख्या को जो नाम भी आप स्वयं ठीक समझें दे देने की कृपा करें। वस्तुतः यह जो कुछ भी है आप का ही है उस में यत्किंचित् निमित्त रूप से इस जन को प्राप्त हुआ उस में भी आप की ही लघु को भी महत्ता प्रदान की सहज कृपा का ही कौतुक है।

अपना परम सौभाग्य और परम लाभ तो यही है कि कुछ समय हिंदी आख्या में लगा उस से मन बुद्धि का परिष्कार हुआ और एक दृष्टि का उन्मेष हुआ जो कि जीवन की समस्त अन्य उपलब्धियों से अधिक महत्त्व की उपलब्धि है। एक शुभ कर्तव्य के निर्वाह से उत्पन्न निर्वृति के उपभोग का अनुभव सा हो रहा है।

मैं हिंदी परिषद् के अधिवेशन के सम्बन्ध में अलीगढ़ गया हुआ था। अढ़ाई मई की रात को वहाँ कुछ अस्वस्थ हो गया था। वहाँ से देहली आकर शरीर ठीक हो गया है परन्तु अभी सफर करने में कुछ घबराहट सी हो रही है अतः श्री चरणों में शरीर से उपस्थित नहीं हो रहा। मन तो श्री चरणों में सदा ही रहता है।

सदा कृपाकांक्षी
श्रद्धावनत विनीत
जगदीश मंगलाचार्य

मकान नं० 9187
गली नं० 4 मुलतानी ढांडा
पहाड़ गंज देहली।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

To,

Shri 108 Shri Guru ji Maharaj C/o

Shri V. D. Bakshi

House No. 33 A.

Hindustan Housing Factory

Jang Pura Bhogal N. Delhi - 14

NEW DELHI - 14

CC-0. Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delh

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGar

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

11.9.62

पुज्यनी श्री श्री १०८ श्री गुरु देव जी महाराज

दोनों हाथ जोड़ कर आप के श्री चरणों में सेवक का सादर प्रनाम हो। इस जगह आप कि कृपा से सब कुछ ठीक है, चिट्ठी आप कि मिली समाचार ग्यात हुआ आप का स्वास्थ्य ठीक न होने कि सूचना पढ़ कर चिन्ता हो रही है कृपा कर के अपनी राजी खुशी के पत्र से सेवक को जरूर लिखते रहिये आप कि बहुत कृपा होगी, रवीवार को जिस दिन आप जम्बू से गये थे उसी दिन रात को २-२२ मिन्ट पर मदन गोपाल के लड़का हुआ था इसी कारण से आप कि सेवा में शीघ्र पत्र नहिं लिख सका राम कुमार उसी दिन सांय काल [redacted] जम्बू पुहुंच गया था श्री लक्ष्मी चन्द जी को भी पत्र लिखा था अभी तक कोई उत्र नहिं आया और कोई सेवा दास के योग हो तो लिखें वैशनो दास मदन गोपाल, राम कुमार कि ओर से प्रनाम

आप का दास श्याम लाल
अरोड़ा बाजार भावड़ियां
जम्बू

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

भरतपुर
22-6-62

श्रीमान जी नमस्कार

पत्र आपका मिला समाचार

विदित हुए श्री. जी. महाराज आज कल काश्मीर पधारे हुए हैं। आपको कोनसी पुस्तकें और चाहिए हैं यह लिखा नहीं है। आप हमें लिखियेगा हम बंदोबस्त कर देंगे। और कोई सेवा हो सो लिखें।

दर्शनाभिलाषी

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

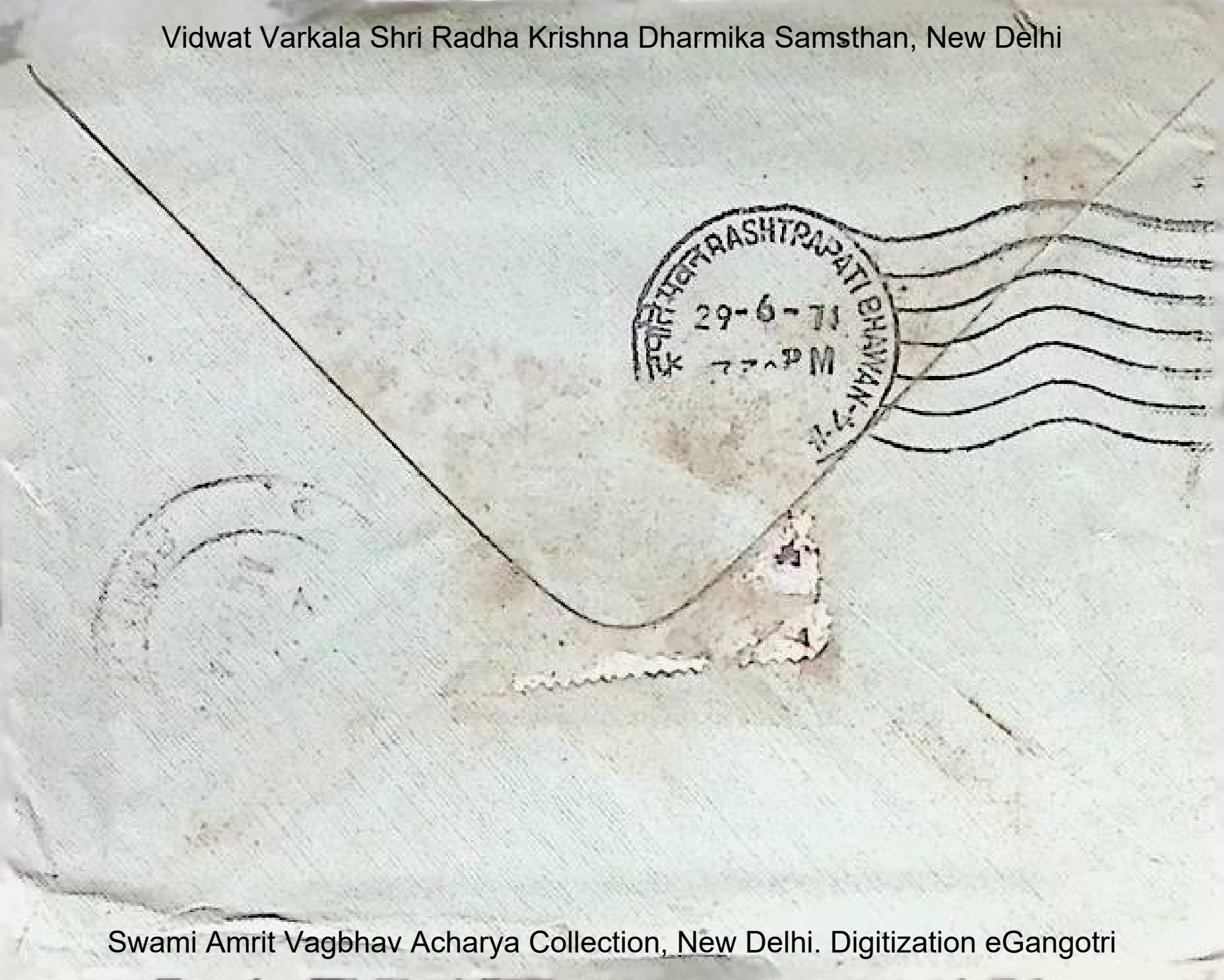

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

STAMPED

सेवामें

"श्री" जी

c/o पं. जयशंकर जी

ग्रा. पो० सुहाना तहसील खरड़

जि. रोपड़ पंजाब

Pt. Jata Shanker

PO. Sohana

Kharar - Punjab

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Pandit Jiwa Ram & Sons.

CONTRACTORS & GENERAL SUPPLIERS

PRESIDENT'S HOUSE & HON'ABLE PRIME MINISTER'S HOUSE

पं० जीवा राम एन्ड सन्ज कन्टरेक्टर्स. प्रेजीडेन्टस स्टेट, न्यू देहली-शिमला।

President's Estatete,
NEW DELHI & SIMLA,

Ref. No .....

Dated 29-6 1981

श्री १००८ परम श्रद्धास्पद गुरु श्रीचरणों में कोटिशः प्रणाम ।

कृपापत्र प्राप्त कर अपार हर्ष हुआ । कई दिनों से प्रतिक्षा थी सब लोग पूछते थे कि स्वामी जी कहां पर है । पत्र आने से प्रसन्नता हुई शिवराज जी की माता जी अवस्वस्थ है । पूर्व उनका स्वास्थ्य अधिक चिन्ताजनक होगया था अवस्वस्थ है । और परिवार भी ठीक है । सबने आपको प्रणाम कहा है । ठाकुर दास जी की ओर से प्रणाम । अब आपके आने पर ही दर्शन होंगे तथा सारी बातें होंगी । सबको पता कर दिया जावेगा । शिवराज जी की ओर से तथा सारे परिवार का श्रीचरणों में कोटिशः प्रणाम । पूज्य गुरु जी बातल से बड़ा लड़का ट्रक वाले के साथ भाग गया है १ जून को १९७१ को घर में भी सारा परिवार चिन्ता युक्त है तथा यहां मैं तथा सब हित चिन्तक चिन्ता युक्त है अभी तक कोई पता नहीं चला है । इस दौड़ धूप में मैं भी अधिक व्यस्त हूं । उसका मेष लग्न है अष्टम स्थान में राहु है । राहु की दशा में गुरु अन्तर अभी छः मास शेष है गुरु स्वोच्च राशि स्थ लग्न से चतुर्थ स्थान में है । विचार में नहीं आरहा है कि क्या बात है कहां है । कल तक सम्भावना है कि कुछ पता घर से आवे अभी तक मैं यहीं हूं घर नहीं गया । पूर्ण पता आने पर ही विचार करूंगा । [illegible]

कुछ ठीक नहीं है कार्य तो करते हैं परन्तु कमजोरी व चक्कर आते हैं आपके दर्शन होने पर ही सारी बातें होंगी तथा विचार होगा । सबको हमारा प्रणाम कहें । भाई सूर्यमणि की पत्नी भी यहां इलाज को आई थी अब कुछ लाभ होने पर नाना गढ़ चली गई है । शेष सब क्षेम है

चरण सेवक - दामोदर शर्मा - शिवराज शर्मा

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

सेवा में- मिश्र गोविन्द शर्मा

c/o वैद्य बृहस्पति देव

(त्रिगुणा)

भोगल पुरा रोड़ पोस्ट जंगपुरा

(देहली नं. १४)

Shri Mishr Govind Sharma

c/o

Vaidya Brahaspati Dev Triguna

Bhogal Pura Road

Post Jangpura

Delhi-14

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

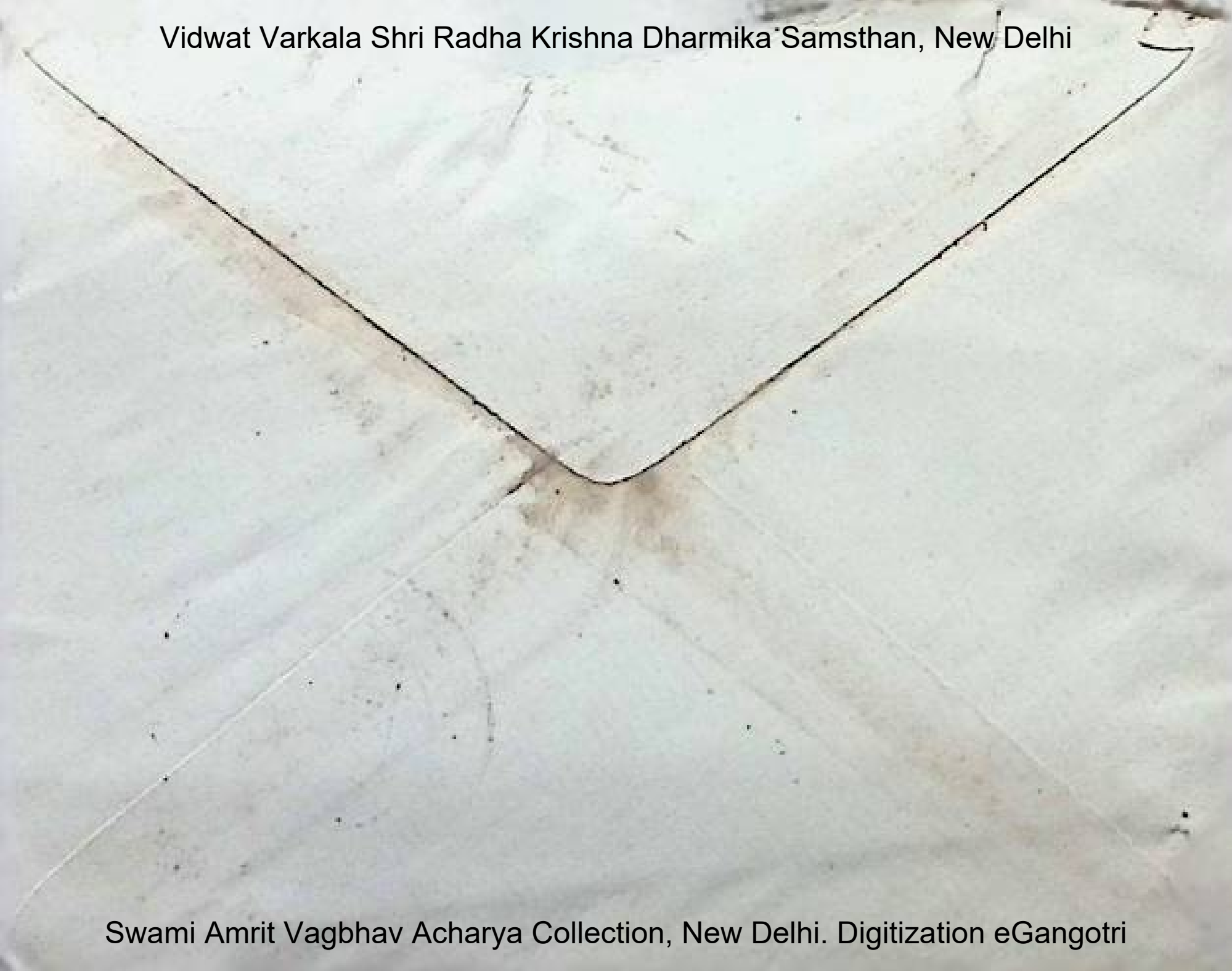

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

ala Shri Radha Krishna Dharmika Samstha

4 tablets

TRADE MARK **'AVOMINE'** BRAND

Promethazine Chlorotheophyllinate B.P.C.

25 mg.

For the prevention and treatment of

NAUSEA and VOMITING

associated with

Travel by land, sea or air,

Pregnancy and other conditions.

Mfg. Lic. No. 343

M&B

gbhav Acharya Collection, New Delhi. Digit

ala Shri Radha Krishna Dharmika Samstha

DOSAGE

ADULTS *Prevention*

(a) Long Term. One tablet each night at bedtime, commencing night before expected onset in the case of travel sickness.

(b) Short Term. One tablet 1-2 hours before nausea and vomiting is expected or as soon after as possible.

ADULTS *Treatment*

One tablet, followed by a second tablet the same evening and a third on the following evening. Additional tablets may safely be given but it will seldom be necessary to give more than 4 tablets in 24 hours.

Children 5-10 years. One-half corresponding adult dosage.
Over 10 years. Corresponding adult dosage.

METHOD OF ADMINISTRATION.

The tablets should be placed near the tip of the tongue and quickly washed down with a small draught of water or

gbhav Acharya Collection, New Delhi. Digiti

ala Shri Radha Krishna Dharmika Samstha

DOSAGE

ADULTS Prevention

(a) Long Term. One tablet each night at bedtime, commencing night before expected onset in the case of travel sickness.

(b) Short Term. One tablet 1-2 hours before nausea and vomiting is expected or as soon after as possible.

ADULTS Treatment

One tablet, followed by a second tablet the same evening and a third on the following evening. Additional tablets may safely be given but it will seldom be necessary to give more than 4 tablets in 24 hours.

Children 5-10 years. One-half corresponding adult dosage.
Over 10 years. Corresponding adult dosage.

METHOD OF ADMINISTRATION.

The tablets should be placed near the tip of the tongue and quickly washed down with a small draught of water or

gbhav Acharya Collection, New Delhi. Digiti

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्रीः

कालका-
१५।१२।६०

परम पूज्य परम श्रद्धेय श्री जी के चरण-
कमलों में सादर वन्दना स्वीकार होवे.
और श्री मान् माननीय मिश्र जी को
सादर जै२ शंकर।

कृपा पत्र मिला हाल जाना महाराज
जी की तबीयत का हाल पढ़ कर चिन्ता
हुई क्यूं के अब तो काफी दिन हो चुके हैं
तबयत ठीक होनी चाहिये थी वरना
महाराज जी से कहो यहां पर चले आरों
लोग बहुत याद करते है। और मेरी तरफ
से वैद्य बृहस्पति देव जी से भी प्रर्थना
करें के महाराज जी को जल्दी ठीक
करके कालका में भेज दें। कृपा होगी.
पुस्तक की पता मिल गया है इस के
लिए बहुत२ धन्यवाद ॥

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

चक्करों की दवाई का पता पै बाबू
गिरधारी लाल जी से पूछ कर बीच
मे चिट दवाई के नाम की भेज
रहा हूं इसे चक्कर के लिए सेवन करें

गुप्त भारत की खोज का पता भी
भेजने की कृपा करना
शेष सबको जय श्री शंकर
महाराज जी के चरण कमलों मे
प्रणाम।
योग्य सेवा से अनुगृहीत करें।

आपका आज्ञा कारी
तुच्छ सेवक
भगवती प्रसाद

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

To

Sh. Raj Kumar Agarwal

G-5-29

Sri NiNas Puri

New Delhi — 14

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

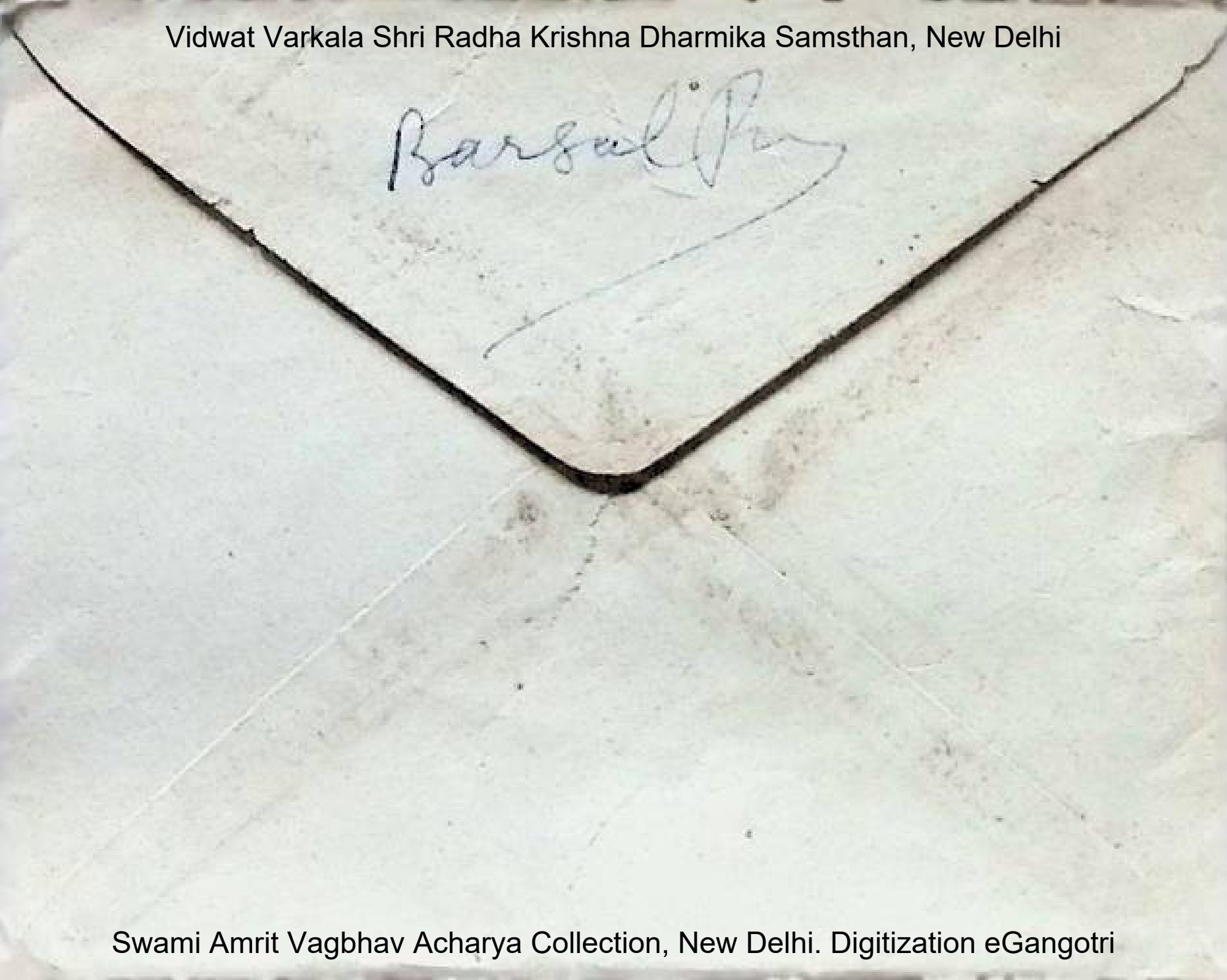

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

करसाल पुर
७.१०.६५.

आदरणीय गुरुवर,

चरण स्पर्श।

आपके कर कमलों द्वारा लिखित पत्र हस्तगत हुआ। पत्र पढ़ कर मन अति हर्षित हुआ। आपने जो आने के बारे में लिखा है सो सविनय प्रार्थना है आप जितनी जल्दी हो सके इसे कृतार्थ करने की कृपा करें।

श्री विष्णुदत्त जी अम्बाला ही हैं। दूसरे मंगलजीत और सभी परिवार के सदस्य कुशल पूर्वक हैं।

बालसन्धा वाले पण्डित जी अब सकुशल हैं।

हमारी तो आपके चरण-कमलों में एक ही प्रार्थना है कि आप शीघ्रता से ही इधर आने की कृपा करें।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

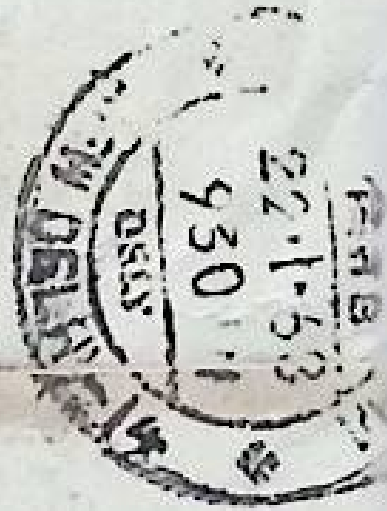

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

1965

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्री स्वामी समर्थ ॥

संदर्भ क्र.

दिनांक १८-१-६८

ज्योतिषप्राज्ञ, बाळाजी गणपत वडनेरे
४८६ अ, शुक्रवार पेठ, शाहुपुरा,
पुणें २.

श्री. व्ही. डी. बक्षी साहेब जी,
हिंदुस्थान हाऊसिंग फॅक्टरी
कॉलनी बंगलाक 33
सप्रेम नमस्कार वि. वि. गंगपुरा, नयी देहली

— सा. न. मस्कार विनंती

— 'श्री' जीके कृपासे मेरा आपके ~~कुटुंब~~ परिवारमें संबंध आया।

— और श्री जीसे संबंध "हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे" इस ~~का~~ परमेश्वरी कार्यसे आया।

— इसका अर्थ केवल इतनाहि समझना चाहिए की भगवान्‌का कार्य करनेके लिए हम एकत्रित हुए।

— आपने मुझे आपने परिवारमें बडे स्नेहसे अपनाया यह परमेश्वरकी मैं कृपा समझता हूँ।

— सौ. माताजीने ~~मु~~ मेरे प्रति अपने हृदयमें माताकी ममता और बहेनकी स्नेहता कुटकुटकर भरी है। इसका दर्शन मुझे बारंबार हुवा।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

— सौ. मालाजीको सा० नमस्कार
तथा श्री कलीजयाजी, सुमनबहेन
नूतनबहेन और ली० मामाजीको
मेरा नमस्कार

आपका
बालाजी

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्री स्वामी समर्थ ॥

संदर्भ क्र.

दिनांक १८-१-६५

ज्योतिषप्राज्ञ, बाळाजी गणपत वडनेरे
४८६ अ, शुक्रवार पेठ, शाहुपुरा,
पुणें २.

श्री. ॥ श्री ॥ स्वामीजी

द्वारा/ श्री. व्ही. डी. बक्षी यांची
हिंदुस्थान शकुरिंग फॅक्टरी
~~सप्रेम नमस्कार वि. वि.~~ कॉलनी. बंगला नं. ३३
जंगपुरा नवी दिल्ली - नं. १४

यांचे चरणीं साष्टांग दण्डवत.

— मी दि. १५-१-६८ बुधवारी सायंकाळी ५॥ वाजता पुण्यांत सुखरूप येऊन पोंहचलों. श्री. पारखे साहेब, श्री. उधाकर शेठ व सौ. वहिनीसाहेब श्री. कुंदाताजी यांना आपला आशीर्वाद कळविला. आपले कुशलहि सांगितलें.

— श्री. राजकुमारजी आणि अन्य सत्संगांतील बंधु भगिनींना नमस्कार. जपसंख्या दर गुरुवारी पाठवण्याची व्यवस्था श्री. राजकुमारजी करतील अशी आशा आहे.

— कळावे - श्री. पंड्या यांचा नमस्कार श्री. उधाकर शेठ व सौ. विद्युमाऊ यांना सांगितला.

आपला नम्र
[illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

जय बजरंग बली

श्री सनातन धर्म पंजाब महावीर दल कालका

पत्र संख्या.....

तिथि 13-5-72

प्रातः स्मरणीय
महाराज जी,

साष्टांग प्रणाम।

संयोग वश पण्डित बलजिन्नाथ जी शिमला वालों के पत्र से आपका पता उपलब्ध हुआ। जिसकारण आपको अपना कार्यक्रम भेजने का सुयोग प्राप्त हुआ।

आपसे प्रार्थना है कि इन दिनों में आप भी कालका पधारें। हमें सम्मेलन में कार्यक्रम करने का निर्देशन दें। पं० भगवती प्रसाद जी की भी ऐसी इच्छा है।

इसकार्य क्रमोपरांत सभी ब्राह्मणसभा की ओर से विष्णु महायज्ञ का आयोजन करने की भावना है।

आनन्द जी को नमस्कार। क्योंकि आनन्द के लिए ही तो जीवन सभी संघर्ष चलता है।

आपका अनुसारी सेवक,

कृष्णदेव कपिल

कालका

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

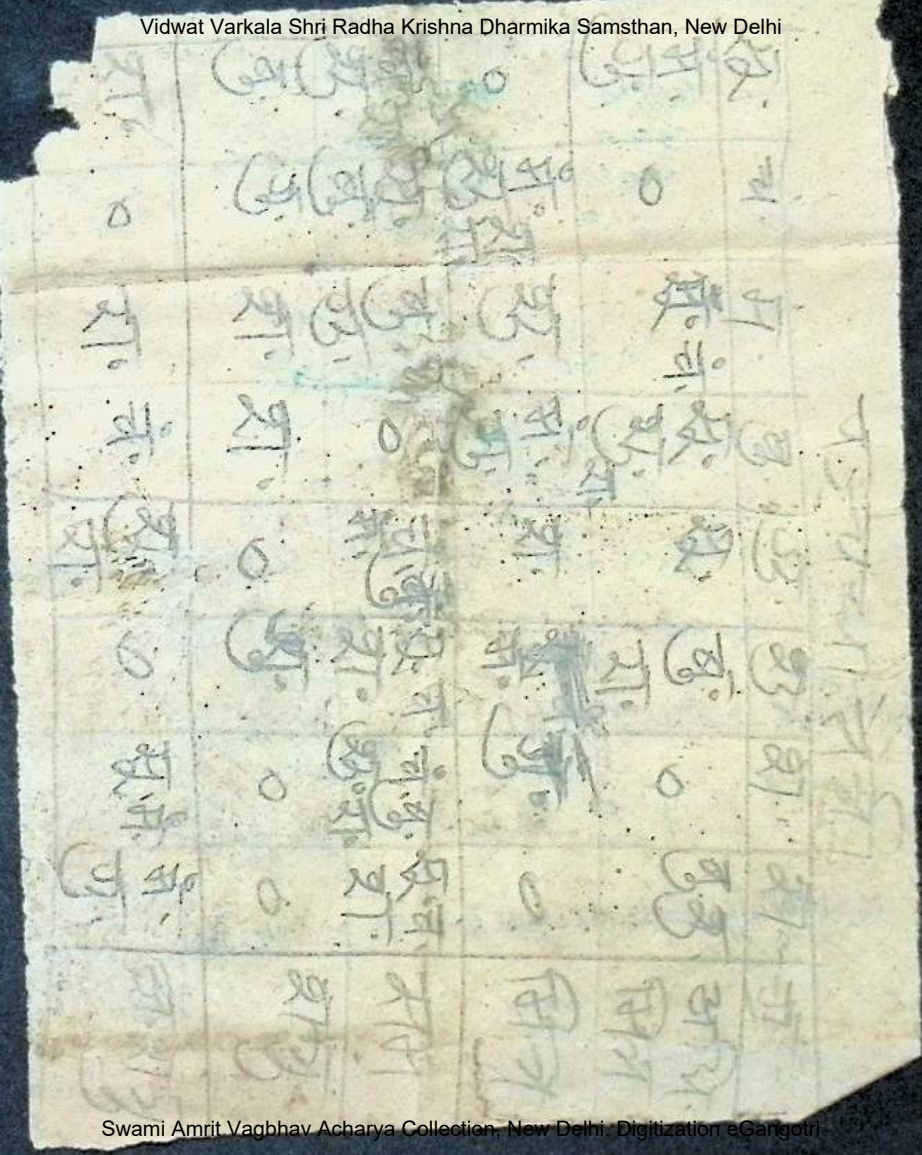

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

६४५	[illegible]
३००	[illegible]
१०५	[illegible]
२२०	रानजी
६०	हरदेवजी
६२॥	राजासाहब
१३०	गोविन्दजी
१५२२॥	
४००	
११२२	

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

महामहिम श्रीमदमृतवाग्भवाचार्य प्रणीत

श्री आत्मविलास

(सुन्दरी राष्ट्रभाषा व्याख्या सहित)

मनुष्यमात्रके लिए परमकल्याणकारी व सन्मार्गप्रदर्शक यह वही अद्भुत आध्यात्मिक दार्शनिक ग्रन्थरत्न जिसके प्रकाशित होते ही दार्शनिक जगत्में हलचलसी मच गई और सैकड़ों प्रतियां हाथों हाथ लग गईं। इस ग्रन्थको पढ़नेसे स्थितप्रज्ञता प्राप्त होती है चित्त शान्त होता है, संस[illegible]भीतर सम्पूर्णरूपसे आनन्दमय प्रतीत होता है। अतः यदि आप भी आत्मा क्या है? परमात्मा क्या है? ईश्वर जगदुत्पत्ति क्यों और किस प्रकार करता है? हम क्या हैं और हमें क्या करना चाहिए? दर्शन किसे कहते हैं? उनका प्रारम्भ तथा अन्त कहाँ होता है? उनकी उपपत्ति क्या है? आदि आदि आध्यात्मिक गूढ़ रहस्योंसे भलीभांति परिचित होकर आत्मसाक्षात्कार करना चाहते हैं तो इस ग्रन्थका अवश्य मनन कीजिए। आपके सभी सन्देह दूर होकर अद्भुत आनन्द प्राप्त होगा। मूल्य २) रु० मात्र मार्गव्यय (पेस्टेज) पृथक्।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

श्रीमान्
कृष्णकुमारजी "आनन्द"
एफ. १८३ मानसरोवर गार्डन
नई दिल्ली १५

तीसरा मोड़ Third fold

दूसरा मोड़ Second fold

प्रेषक का नाम और पता :— Sender's name and address :—

6/9/71
मिश्र गोविन्द
चौबुर्जा
भरतपुर

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

To open cut here

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

उग्र इच्छा है। ये २४-७-७१ को मथुरा भी तीज देखने आये थे भरतपुर आने के भी विचार थे किन्तु भाग्यवश न आ सके अतः इन्हें भी आज्ञानुसार पत्र तथा पता दें।

नं० ३ गतता. १७-८-७१ को चि. धरणीधर ब्रह्मचारी (मेरा भाञ्जा) यहां आये ८-१० दिन यहां रहकर चले गये उनकी इच्छा भी "श्री" जी के दर्शनों की अत्युग्र थी तथा इनका विचार श्री चरणों के समीप रहकर अध्ययन करने का है। वे जाते समय अपना पत्र लिख गये हैं उसकी प्रतिलिपि भेज रहा हूं यह आवेदन पत्र श्री चरणों में समर्पित कर दें तथा आज्ञा से मुझे सूचित करें। वैसे धरणी का विचार १ वर्ष तक "श्री" जी के साथ रहकर अध्ययन करने का है भोजन व्यय वह स्वयं अपने पास से करने का भी विचार रखता है पत्र अधो लिखित है।

श्री विश्वेशः शरणम्

भा. शु. २ चन्द्रे
दि. २३-८-७१

परमाराध्य श्री "श्री" जी चरणों में बालक का साष्टांग दण्डवत् स्वीकृत हो।

भगवन् ! आपकी अहैतुकी कृपा प्रसाद से सकुशल रह रहा हूं आशा ही नहीं अपितु निश्चय पूर्व अभीष्ट सिद्धि के लिये वरद हस्त रखकर कुछ समय सुखद सन्निधि लाभ से लाभान्वित कर निज वात्सल्य प्रेम अक्षुण्ण रखने की महत्यनुकम्पा कर समय प्रदान की सूचना लिख देंगे।

देव ! आज तक नर वर के आवास काल में मैंने चार परीक्षायें दी हैं परञ्च मैं सुख पूर्वक यह नहीं कह ~~सकता कि~~ पाता कि मैंने अमुक परीक्षा संस्कृत विद्यालय में रहकर उत्तीर्ण की है मैं अधिक मानसिक क्लेश संस्कृत ग्रामर (व्याकरण) में शून्य होने से पा रहा हूं इधर लोगों की आशायें उत्तरोत्तर उत्तीर्णता देखकर उन्नत हो रही हैं उचित भी है परञ्च मैं क्या करूं केवल "जटाभिस्तापस" के अतिरिक्त क्या पढ़ा कुछ कह नहीं सकता वहां श्री पूज्य गुरुदेव जी ने मुझे विविध कार्य जातों के माध्यम से धन की सहायता कर जरूर चैन से भोजन इस समय मिलने योग्य कर लिया है परञ्च काठ की हांडी परीक्षा समय शेष कुछ नहीं रहती ठीक इसी प्रकार से नर वर रहकर और कार्य जात में हाथ बटा कर रहने से उसके उपरान्त यथा पूर्वमकल्पयत् सदृश मुझे अपने अन्दर झांकने पर प्रतीत होता है।

प्रभो ! मेरी विनम्र कर बद्ध प्रार्थना है आवश्यक संस्कृत ज्ञान निज सान्निध्य में रख करा दें जिससे मैं कुछ संस्कृत पढ़ इससे आनन्द प्राप्त कर सकूं।

श्री पू. मामाजी के पास इसी ध्येय से आया था परञ्च उनके पास आपका पता न था अन्यथा श्री चरणों में आश्रित हो जाता उन्होंने जानकारी के लिये फरीदाबाद भी पत्र लिखा है अस्तु आपका कृपा पत्र पाते ही कुछ काल को नर वर से विमुक्त हो सान्निध्य लाभ ले स्थायी ज्ञानार्जन कर सकूंगा। भवतां वालो यम् श्री सिमाराम जी का भी प्रणाम निवेदन करें धरणीधर

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

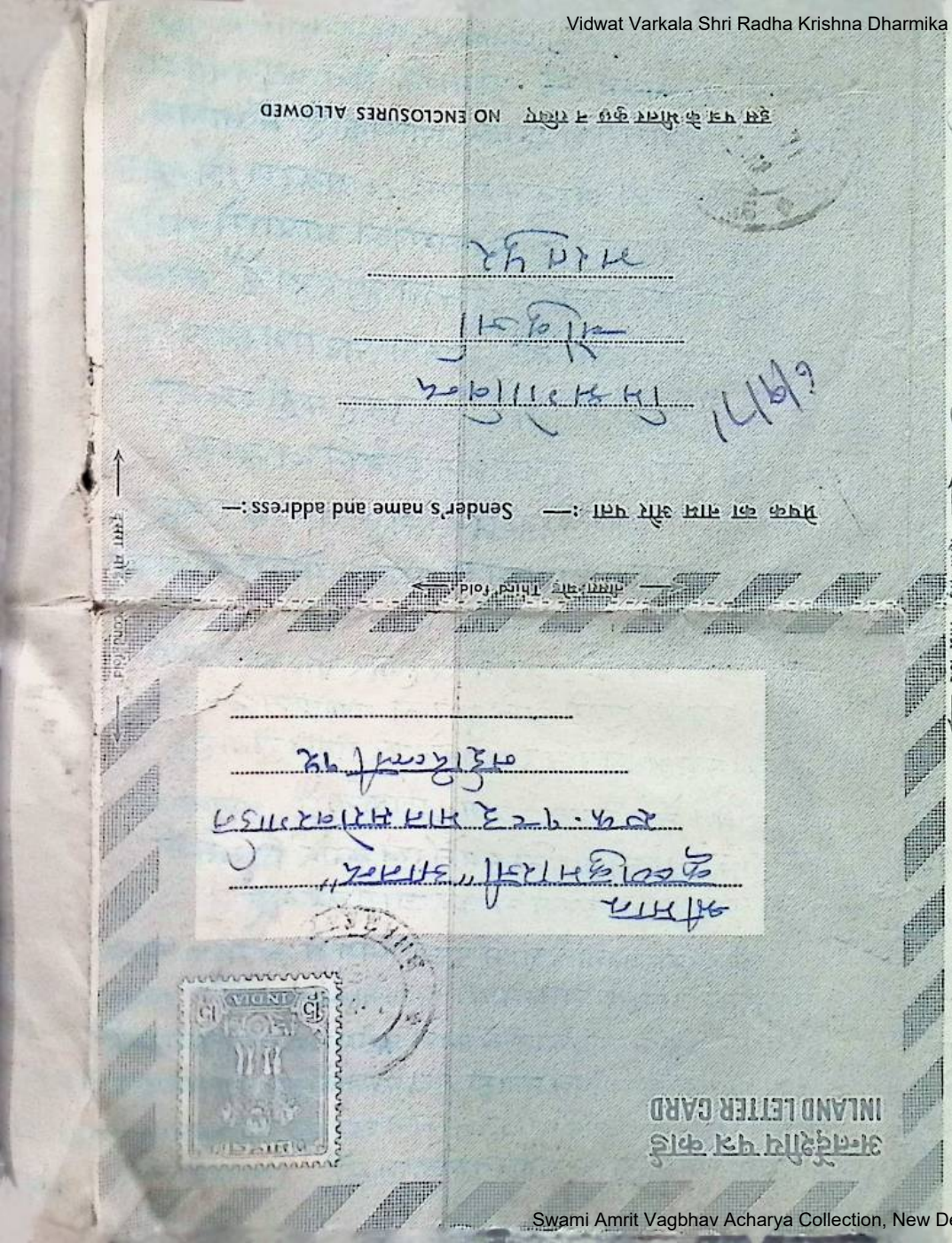

श्री: । चौबुर्जा - भरतपुर ६-९-७१

श्रीमान् लाला कृष्ण कुमार जी "आनन्द" सस्नेह जयशंकर

सर्वत: कुशलमस्तु । श्री योगराजजी "आनन्द" के पत्र से पता चला है कि अनन्त श्री सर्वतन्त्र स्वतन्त्र करुणा-सिन्धु "श्री" जी संभवत: आपके यहां है कृपया उनके कुशल समाचार दें । वे जब से यहां से पधारे हैं कोई कुशल पत्र नहीं मिला है, अत: इसमें विलम्ब न करें । उन्हें मेरे कोटिश: प्रणाम निवेदन करें । विशेष निवेदन निम्नांकित हैं इन्हें निवेदन कर उत्तर से सूचित करें । वृन्दावन से श्री सोहनलालजी तापड़िया के २ कार्ड ता. २-८-७१ तथा ७-८-७१ के लिखे मिले हैं पूर्व पत्र में इन्होंने श्री आत्म विलासादि पुस्तकों के बारे में तथा "श्री" जी के पते के बारे में पूछा था मैंने उत्तर दिया तो उसके उत्तर में इन्होंने लिखा कि "श्री" जी के दर्शन इन्हें श्री हरिद्वार जी में लाला सरदारीलालजी के समीप हुए वहां वे अध्ययन करते थे किन्तु अधिक वय होने से स्मरण शक्ति क्षीण होने से स्मरण ठीक नहीं हो पाता था अत: "श्री" जी ने उन्हें पढ़ने लिये मथुरा प्रबन्ध करने का तथा रांची स्वयं पढ़ाने का कहा था वे उनके पत्र की प्रतीक्षा में हैं तथा मुझसे पता चाहते हैं ।

२ श्री श्यामलालजी "वर्मानी" के जम्मू से ता. १-८-७१ तथा १८-८-७१ के लिखे दो लिफाफे आये हैं वे भी अनन्त श्री "श्री" जी का पता चाहते हैं तथा दर्शनों की अत्यन्त

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

श्रीमान्
कृष्णकुमारजी "आनन्द"
२५-१८ ३ मान सरोवर गाडन
नई दिल्ली १५

पहला मोड़ First fold

दूसरा मोड़ Second fold

भेषक का नाम और पता :— Sender's name and address :—

तीसरा मोड़ Third fold

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi.

From:— Tele. Address:—

جگن ناتھ رام پرکاش پان کیلہ مرچنٹس بسین (بمبئی) SODHI.

Jagannath Ramprakash,

PAN & KELA MERCHANT, BASSEIN. (BOMBAY.)

जगन्नाथ रामप्रकाश, पान और केला मर्चंट, वसीन, (बंबई.)

BOOK-POST.

To,

Shri Swamii Ji

medical Surgical Industries

Bhandup P.O. Bhandup

Distt Thane (Bombay)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

जगन्नाथ रामप्रकाश

From:— रा. बसीन

Trade Mark:-H. S.

HAWELIRAM SANTRAM,

PAN & KELA MERCHANT, BASSEIN, (Dist.-Thana.)

هویلی رام سنت رام سوداگر پان و کیلا بسین ضلع تهانہ (بمبئی)

~~हवेलीराम संतराम,~~ सौदागर पान और केला, बसीन, (बम्बई.)

आषाढ शुदी २२ ओं Date 16 - 7 - 1948

शुक्रवार. बसीन. श्रीमान स्वामीजी

स्वामी शिवानंदजी का. जयशंकर

आपका. कृपा. पत्र मिला. देरी से मैं जलगाँ

से आया २० दिन हुवा. पत्र आपका जल

गाँव से आया मेरा इरादा स्रावण मे

हर द्वार जाने का है जलगांव से ये कसेट

इलाज के लिये

जो इनका. दोस्त है मेरे कू बुलाया है ओ

इसी २३

त्रयोदशी रवीवार कु यहां आवेगा उनके

सात. जलगांव रात का गाडी से जावुंगा

वहां से हर द्वार कु जावुंगा इसलिये आ

पका. दरशन होना मुशकिल होगा

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

जगन्नाथ रामप्र
From:— कशाबसीन

ॐ

Trade Mark:-H. S.

HAWELIRAM SANTRAM,

PAN & KELA MERCHANT, BASSEIN, (Dist.-Thana.)

هویلی رام سنت رام سوداگر پان و کیلا بسین ضلع تهانہ (بمبئی)

~~हवेलीराम संतराम~~; सौदागर पान और केला, बसीन, (बम्बई.)

Date _____ 193

आप यहां पर - दो दिन ठेरने के बाद
चले गये अबर मेरे से जो अनुचित
हुवा जो आपकु छोडके चला गया था
लेकिन कारण वैसा था जाना जरूरी था
न जाता तो उनकु दुख होता आप जान
ते हो स्त्रीयों का दिल मे विक्षेप आता ओ
उनका सा भाई था इसलिये जाना
पडा आपका सेवा मे कोधिक मि हुवा
हो अबर मेरा इस अनुचित कथि के
लिये क्षमा मांगता हुं - आपका प्रेमी
स्वामी शिवानन्द जी - हरि ओं
हमेशा कृपा भाव रखा करे

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

CABLES: "LAKHOJI"

DR. R. C. GUPTA & CO.

AUTOMOBILE & CYCLE IMPORTERS & CONTRACTORS
BHARATPUR
(INDIA)

Ref. No. Date ता. २७-२-४९

श्री:।

अनन्त श्री पूज्य पाद बाबा महाराज के पुनीत पाद पद्मों में दासानुदास गोविन्द के कोटिश: प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वत: कुशल मस्तु। कुशल पत्र प्राप्त हुआ प्रसन्नता हुई। श्री शिव प्रसादजी को पत्र लिख दिया है। श्री जैजै रामजी का पत्र आया है उसे पत्र के साथ भेज रहा हूँ श्री मानू बाबू केशव देवजी ने बरात में मुझसे घसीटा या घीसा नाम से मेलापक के लिये कहा था सो नहीं मिलता है श्री बाबू जी आदि सभी को जयशंकर। श्री हरदेवजी यदि देहली के रेखांश भेजवें तो शीघ्र उनकी तिथ्यादि भिजवाऊं जन्मपत्रादि के बारे में क्या विचार रहा। प्रतिष्ठा की भाग दौड़ के कारण २ दिन से शरीर कुछ अस्वस्थ सा है गत परसों श्री नन्द कुमारजी आये थे बात चीतों में यह बात उन्होंने ह. देजी से पूछने को कही थी कि श्री स्वा. स. की ओर से जो तेजी मन्दी की रिपोर्ट निकलती है वह अनुभूत है अथवा सर्व साधारण जैसी और वहां के न २ चीजों की शेष कुशल है। आपका दासानुदास

गोविन्द:

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

...मा कहूं मैं अनुभव अपना
...त्य हरि भजन
जगत सब सपना

श्री हरि:

श्री विश्व शान्ति संकीर्तन महा मंडल पंजाब

मुख्य कार्यालय, जालन्धर शहिर

Shri Vishav Shanti Sankirtan Maha Mandal Pb.

***H. O.* JULLUNDUR CITY.**

To,

परम पूज्य "श्री जी"

महाराज

...ami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang...

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ॐ

परम पुज्य १०८ श्री जी महराज

श्री चरण कमलों में प्रणाम स्विकार हो

जो कार्फा अरसा से हृदय में ईछा थी जिस के लिये कई दफा श्री चरणों में प्रार्थना भी की थी कि: अब आज्ञा दे देवें. प्रन्तु इन्कार ही मिलता रहा मैं पहले हि ईस संसार को समझ चूका हूं और मान चूका हूं कि संसार को अछाई नहीं सोहाती मैं बुरा को अछा और अछा को बुरा ही मानते हैं यह पहले से हि चला आरहा है कोई भी भक्त इन से नहीं बच सका भक्त तो क्या यह संसारी लोगों से भगवान भी नहीं बच सके कोई ईस संसार में अपना नहीं हैं सब स्वार्थ के हि सार्था हैं मेरा मन यह जान कर पहले हि उदास रहता था और ..... प्रन्तु आप कि आज्ञा कि प्रतिक्षा थी मैं जब बुरे कामों में रत्त था मुझे किसी ने भी बुरा नहीं कहा मगर अब आप कि आज्ञा देने का कार्य भी संसार हि बना अब मैं अपने लक्ष पर

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

जा रहा हूं: जो मानव धर्म का लक्ष होना चाहिये
मैं आप कि आज्ञा का पालन करूंगा अब मेरा मण्डल
के साथ कोई लगाव न होगा: और इस स्वार्थी
संसार से उदासीन रहने का प्रयत्न करता हुआ
एक साल के अन्दर अन्दर हि----! आप के
श्री चरण कमलों का सहारा मेरा साथ स्थायन
रहेगा इस को संसार का प्राणी नहीं छूड़ा सकता
इन हि चरणों कि कृपा का फल स्वरूप आज
मुझे सब कुछ प्राप्त है और होता रहेगा
और मेरे कुकर्मों को पाप्पा जी ने आप को
भली प्रकार बता दिया है: और आप को
विश्वास भी पूर्ण हो गया है जिस का फल
प्राप्त हो गया है यहां पुरुषों: गुरुजनों का
शाप भी बरदान ही होता है मुझे मेरे
दिल की दाक मिल गई मैं अब इस स्टेज पर
अपने पराये को शकल भी नहीं दरवाजों
अन्तीम प्रार्थना यही है कि कृपा दृष्टी बनाये
रहें

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Undelivered please return to :—

Ram Krishan Sham Lal

TEA MERCHANTS & COMMISSION AGENTS

Kanak Mandi (Gali Post Office) JAMMU.

राम कृष्ण शाम लाल, कनक मन्ड़ी (गली पोस्ट आफिस) जम्मू।

6997

Ishar To. Dalli Begga

[illegible]

[illegible] (پنجاب)

SAUHANA.

Distt. ROPAR. (PNB.)

PIN. 04.3.8

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

☎ 6997

Ram Krishan Sham Lal

TEA MERCHANTS & COMMISSION AGENTS

Kanak Mandi (Gali Post Office) JAMMU.

राम कृष्ण शाम लाल, कनक मन्ड़ी (गली पोस्ट आफिस) जम्मू।

Ref No. _____ Dated 9. 5. 79

پوجیہ شریمان بھائی صاحب ریشر درس کی ۔ بے شنکر

قریباً ایک ہفتہ ہوا۔ آپکا چتر ملا ۔ پڑھکر بہت شانتی ملی جو ری

جو رب تحریر کرنے میں دیری رہتی ہوئی کی تابعداری کی صحت ٹھیک نہیں تھی ۔

اب قدرے ٹھیک ہے ۔ جب بھی مہاراج جی سوہانہ میں آویں تو سوک کی

یاد کرتے رہنا ۔ اور مہاراج جی کے چرنوں میں پرنام بھی عرض کرنا

بھائی صاحب دل تو بہت چاہتا ہے کی جب بھی مہاراج جی سوہانہ میں

آویں تو کچھ وقت انکے چرنوں میں گذاروں اور آپ سب بھائیوں

کے بھی درشن اور سنگت سے لابھ اٹھاؤں ۔ مگر مجبور ہوں صحت

دن بدن گرتی جا رہی ہے ۔ آگے جو ایشور کو منظور ہے سب بھائیوں کی

سیوا میں بے شنکر عرض کریں ۔ تحریر ان کو پیار

آپکا تابعدار

شیام لال ورمانی راجوں

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अनंत श्री आचार्य अमृत वाग्भव जी

c/o श्री पं० गोविन्द जी मिश्र

चौबुर्जा

भरतपुर

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अनंत श्री आचार्य अमृत वाग्भव जी

c/o श्री पं० गोविन्द जी मिश्र

भौपुर्जा

भरतपुर

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Pandit Jiwa Ram & Sons

Contractors & General Suppliers

President's House & Hon'able Prime Minister's House

पं० जीवा राम एन्ड सन्ज कन्टरेक्टर्स, प्रेजीडेन्टस स्टेट, न्यू देहली-~~शिमला~~

President's Estate,
NEW DELHI-SIMLA

Ref. No..... Dated.....3/1/.....1975

श्री परम पूज्यवर

सादर चरण वन्दना स्वीकार करें।
आप का जयपुर से कृपा पत्र मिला
बहुत हर्ष हुआ।
यहाँ से सभी की ओर से सादर
चरण वन्दना स्वीकार करें।

श्री दामोदर जी कुछ दिन घर रह कर
तीन चार दिन हुए वापस आए हैं कल ही
यहाँ आए थे ठीक ठाक हैं।

आप के आशीर्वाद से योगेन्द्र का शुभ
विवाह 10/12/74 को सुखशान्ति पूर्ण संपन्न
हुआ है।

विवाह के बाद मैं फिर कुछ दिन फ्लू होने
के कारण आराम ही करता रहा हूँ
पर अब बिल्कुल ठीक हूँ।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अधिक क्या लिखूं
कृपा आशीर्वाद भेज कर अनुग्रह करें।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पूज्य श्रीमान महात्मा अमृत भाग भव आचार्य
जी

~~हम सबका चार - प्रणाम~~

आप कुशलम् तथास्तु। समाचार यह है कि आपका संदेश 15 तारीख को शाम के समय बरखुरदार मास्टर राज कृष्ण मनौली से मिला। आपने मुझे आपके जन्मोत्सव पर 17.7.75 को बुलाया है। सेवा में हम सब की हाथ जोड़कर प्रार्थना है कि आप 18.7.75 को ~~मुझे~~ सुबह राम कृष्ण मिस्तरी या किसी और शिष्य के साथ आकर दर्शन दे जायें और दो-चार दिन हमारे पास रहें। ताकि हम सबका जन्म सफल हो। यहां भी आपकी ही कृपा के कारण आपने सब कुछ दिया हुआ है। अगर बस में आना हो तो बस मनौली को सोहाना से रात

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi.

के आठ बजे आती है उसमें आ जायें
हम स्वयं मनौली बस पर से आपको
घर ले जायेंगे।
अगर बस में भी नहीं आना तो मेरा
लड़का शाम को हर रोज चण्डीगढ़
से मनौली आता है वो अपने साथ मोटर
साईकल पर ले आयेगा। जैसी आपकी
आज्ञा हो तो वैसे हम कर लेंगे।
हम सबकी अभिलाषा है कि आप जरूर
दर्शन दें।

आपका चरण सेवक
पंडित रतन लाल ज्योतिषी
मनौली

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

2-2

विविध-5
MI.-5

भारतीय डाक-तार विभाग
INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

सेवा में
To Swami Ji

The c/o Jesus Dan Biggs

प्रेषक:
From: Sehan

MGIPAh.--77 P&T/75 10 5 75--1,50,00,000

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

C-2

GM 10-55 AP 13 Jamnu Tavi 14-9 14-55

Swami Ji Care Isher Dass Bagga Sahan

(Fine) Many Happy Returns of the day

ईश्वर करे यह शुभदिन बारबार आए।

Anand

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

बी B	प्राप्त के ब्यौरे Received Particulars	दौर संख्या Circulation No.	भेजे ब्यौरे Sent Particulars	तारीख-मोहर Date-stamp

MGIPAh.—204 P. & T./77—28-7-77—12,50,000 Blks.

(28-15,74-MI)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री स्वामी जी,

प्रो. बलजी नाथ पंडित,
हलडर जू चीरू के घर के पास,
Anant Nag (Kashmir).
अन्नत नाग (काशमीर)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पूज्य स्वामी जी,

प्रणाम।

कल आपका भेजा पत्र प्राप्त हुआ और आज सुबह वह अपना फालतू सामान तथा कुछ रु० पंहा रख गये हैं।

~~प्रीक्षा-फ़ल~~ अभी नहीं निकला। देखो कब निकलता है।

आप का आया हुआ पत्र आपको भेज रहा हूँ। किसी ने बोल दिया है, या आशा है आप क्षमा करेंगे।

शेष सब कुशल है। आशा है आप ने अपने दाँत के लिये किसी डाक्टर से मश-वरा किया होगा।

हम सब की ओर से आप को प्रणाम तथा बल जी को मेरी तरफ़ से नमस्ते।

आपका

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

Shri, Swakinji, C/o.
Prof. Balji Nath Pandit,
Near 7th House of Haldhaji Ja[illegible]
Amant Nag (Kashmir)

नाक आनन्द हाउस आफ पंडित
बाकी बिहारी गोगजी बाग
श्रीनगर काश्मीर

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-

श्री [illegible] पंडित [illegible]
[illegible] बलाकन [illegible]
[illegible] देहली 14

NO ENCLOSURES ALLOWED

रक्षा कर टूबतों को तारना संत सूद में युगों से निश्चित आरहा है
मेरी ढिठाई पर रोष नहीं दया करना परमावश्यक है क्योंकि हमारे पाप ही हमें
आपसे डराते हैं यही माया है अब मैंने और क्या कहना है
सभी कुछ आप की दृष्टि में है
मेरी कंठौषधी यदि इधर से ही आप बनवा कर भेज दें तो मैं फौरन
की मत भेज दूं क्योंकि रविवार को बरसरी बंद रहती है
बाकी चरण रज का एक त्रसरेणु भी हमारे सकल मनोरथों को भंडार है
जैसे कोटी वेधी पारद उतना ही कार्य करेगा परन्तु हमारे अनन्तानन्द महाराज
इहलोक से वेदान्त परापर लोक का लोक तक क्षण रूप सर्व जुवा नंद दाता है
क्षमा प्रार्थी राम रत्न भाग्यवान सत्संगी जनों को जय शंकर धन्यवाद

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

रामसरूप/ ॐ

सेवा में,

पुज्य गुरू जी,

चरनो में हाथ जोड़ कर नमस्कार।

यहां सब राजी खुशी है। आपकी कुशलता श्री शंकर जी से नेक चाहता हैं। आगे समाचार यह है कि आपकी जय शंकरजी की पहुंच गई है। और मन को अति प्रसंता हुई है। महाराज जी। जिस दिवस से आप खरड़ से गए हैं। उसी दिन से मैं आपकी आज्ञा अनुसार उस का पालन कर रहा हूं। और सयाम लाल कालका गया था। वहां से लाला सीता राम जी से पता चला कि महाराज जी जब आप खरड़ से गए तो आप कालकां एक रात ठहर कर देहली पहुंच गए हैं यह हमें कालकां से पता चला है।

हमारी दोनों हाथ जोड़ कर प्रार्थना है। कि आप एक बार आकर अवश्य दर्शन देकर कृतार्थ करें। हम आपके बगैर ऐसे तड़फ रहे हैं कि जैसे जल के सिवाय मछली तड़फती है। महाराज जी मैं इस कर्म पे लग तो गया हूं। प्रंतु उस को पूर्ण करने में आप की सहायता की बहुत आवश्यकता चाहता हूं। रामसरू, धनराजा, शयामलाल वा रामजीदास, बाबजी, कृष्णावती, गिरजा नंद का कटुंब सब की तर्फ से बार २ नमस्कार, एक गरीब और नादान रामेश्वर दास की तरफ से नमस्कार। पंडत जी वा रामे की तरफ से नमस्कार। आपका आज्ञाकार शिष्य रामसरूप शर्मा खरड़ खान पुर प्रयाग राज।

तिथी: 4/5/60

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi
Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री जे. सी. शोरी

डिविजनल अकाउन्ट आफिस
नार्दर्न रेलवे इलाहाबाद
डी. एस्. आफिस

घरकापता —

८८ बी. रेलवे कालोनी नं. २
सुबेदार गंज, नार्दर्न रेलवे
इलाहाबाद

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Shama Devi Dhar
H - 41
East vinay Nagar
New Delhi - 3

शामा देवी दर

अच ४१ / ४१
ईस्ट विनय नगर

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

To

The Tehsildar

Nalagarh.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

सेवामें

"श्री, जी

c/o

पं. जंटाशङ्कर जी

मु.-पो० सुहाना P.O. Sohana

(रोपड़ पञ्जाब)

(Near chandigarh)

Punjab

1973

MIMRI

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Pandit Jiwa Ram & Sons
CONTRACTORS & GENERAL SUPPLIERS
President's House & Hon'able Prime Minister's House
पं० जीवा राम एन्ड सन्ज कन्टरेक्टर्स. प्रेजीडेन्टस स्टेट, न्यू देहली-शिमला।

President's Estate,
New Delhi ~~& Simla~~

Ref. No.....

Dated.....30-6.....1973

श्रीमान् पूज्य स्वामी जी श्री चरणों में सादर प्रणाम।

कृपापत्र प्राप्त कर अपार हर्ष हुआ। आप कुशल पूर्वक सुहाना पहुंच गये। यहां सब हर प्रकार प्रसन्न हैं। सब घर के सदस्य आपको स्मरण करते हैं तथा प्रणाम कहते हैं।

आप व्यास पूर्णिमा को पधार ही जावेंगे। यह अपार कृपा होगी सबको यथा सम्भव पता कर दिया जावेगा।

दामोदर शर्मा की ओर से भी श्री चरणों में कोटिशः प्रणाम। शेष सब कुशल मंगल है। सुहाना में पं. जटाशंकर जी व अन्य गण्य मान्य सज्जनों को प्रणाम कथन करें।

किमधिकम्। अभी २ देश पाण्डे का पत्र तथा फोटो भी आये उसने आपको बहुत २ प्रणाम निवेदन किया है। आपका सेवक

शिवराज शर्मा

[illegible] जी [illegible] की कर प्रगलों से साष्टाङ्ग नमस्कार

स्वीकृत है

मैं भी श्रीमान् जी का दर्शनाभिलाषी हूं

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

सेवक -

भगवती प्रसाद शर्मा

कौलिक।-

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

जयशंकर

JAMMU
15 November 1981

आदरणीय स्वामी जी,

प्रणाम

आशा करते हुए कि आप सकुशल होंगे। जैसा कि आपको विदित ही है कि मेरी शादी की तिथि पाँच दिसम्बर को निश्चित हुई है, मैं उस ~~अवसर~~ सुअवसर के लिए आपको सादर आमन्त्रित कर रही हूँ। मेरी आपसे विनम्र अनुरोध करती हूँ कि आप अवश्य आवें। और अपना हार्दिक आशीर्वाद प्रदान करें। मेरे घर के सब सदस्य आपको बहुत याद करते हैं। यह आमन्त्रण मैं उन्हीं की ओर से दे रही हूँ। अगर आपको समय मिले तो अवश्य ही दर्शन देकर कृतार्थ करें। मैं आपकी अत्यन्त आभारी हूँगी। मेरी भगवान से यही प्रार्थना है कि आप ठीक ठाक रहें और हम सबको अपना शुभ आशीर्वाद प्रदान करते रहें।

निवेदक
सुनीता प्रणाल

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

भारत
25 पै. INDIA 25 P.

सेवा में

पूज्य श्री अमृत भाग्यवाचार्य जी

c/o पं० जटाशंकर जी

मु० व पो० सोहाना

चंडीगढ़ (पंजाब)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

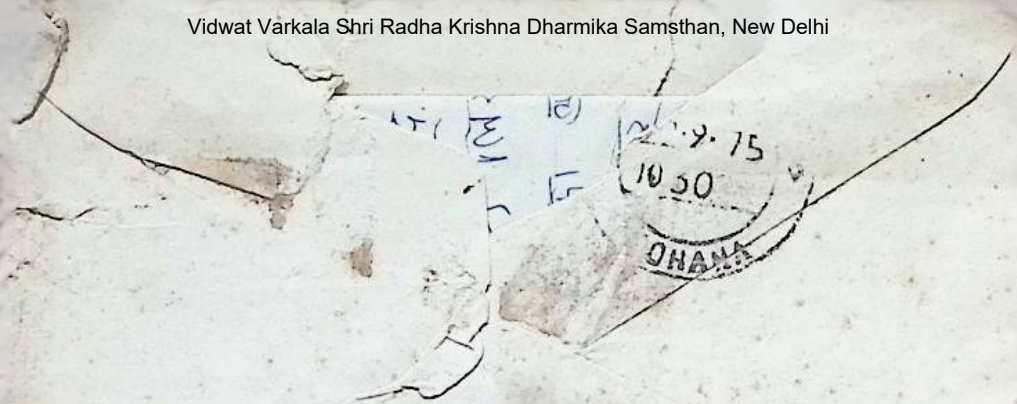

From,
Shiv Raj Ji
New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Pandit Jiwa Ram & Sons

Contractors & General Suppliers

President's House & Hon'able Prime Minister's House

पं० जीवा राम एन्ड सन्स कन्टरेक्टरर्स, प्रेजीडेन्टस स्टेट, न्यू देहली–शिमला।

President's Estate
NEW DELHI-SIMLA

Ref. No..... Dated 16/10/ 1975

श्री परम पूज्यवर

सादर चरण वन्दना

कल तो पूना से सुबेर पत्र मिला था शाम को तार भी मिली, मैं ने उन्हें तार देदी थी कि आप दिल्ली में नहीं हैं लेकिन समाचार भेजने की कोशिश कर रहा हूं। दामोदर जी को टैली-फोन कर के बुलाया, उनसे नालागढ़, व शिमला का पता ले कर दोनों जगह तार दे कर आप के बारे में पता करने का विचार था, आज सुबेर ही सुभाष जी (या उन के छोटे भाई ??) जो आप के पास से दो दिन हुए आए हैं, यहां आ कर मिल गए तो आप के नालागढ़ में होने का पता लगा, इसलिये यह पत्र लिख रहा हूं यहां किसी को भी आप के बारे में पता नहीं लग रहा था कि आप किस स्थान पर हैं। साथ में सावलापुरकर जी का पत्र तथा तार है उन का पता भी व पीछे लिख रहा हूं। उन्हें भी आप का नालागढ़ का पता लिख

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

दिया है ताकि यदि जल्दी या जरूरी प्रोग्राम हो तो लिख दें आजतीपत्र लिख रहा हूँ।
आप भी उन को अपना कृपा पत्र प्रोग्राम लिखें तो ठीक रहेगा उन का कोई और पत्र आदि आया तो पता दूँगा आप दिल्ली आने का भी प्रोग्राम लिखें।

यहाँ से सभी की ओर से सादर चरणवन्दना स्वीकार करें।

श्री शर्मा जी को सादर नमस्कार

(श्री पी सूर्य मणि जी के छोटे सुपुत्र मुझे मिले हैं जो कि एयरफोर्स में हैं, नाम में भूल गया हूँ और उन से भी नहीं पूछा वे फिर एक दो दिन में मिलने आवेंगे।)

उत्तर देकर कृतार्थ करें।

शिवराज

Shri
V.M. Savalapurkar
Paper + Pulp conversions Ltd
1183 Shivajinagar Poona 411005

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Pandit Jiwa Ram & Sons

Contractors & General Suppliers

President's House & Hon'able Prime Minister's House

पं० जीवा राम एन्ड सन्ज कन्टरेक्टर्स, प्रेजीडेन्टस स्टेट, न्यू देहली-शिमला।

President's Estate,
NEW DELHI-SIMLA

Ref. No..... Dated..19-9.....1975

श्री परम श्रद्धास्पद गुरुजी शिवराज सपरिवार का

सादर प्रणाम।

सर्वत्र कुशल मस्तु,, समाचार यह है कि बहुत दिन होगये आपका कोई कुशल समाचार प्राप्त नहीं हुआ इससे विशेष चिन्ता है। सीताराम से पता चला कि रामसिंह से पता चला कि सुहाना में है स्वास्थ्य ठीक नहीं है। आपने व्यास पूर्णिमा पर आने को कहा था अत्यन्त प्रतिक्षा रही दर्शनों से वञ्चित रहे। आप अपना कुशल पत्र शीघ्र प्रदान करें। शेष मौसम यहां भी अच्छा नहीं था दामोदर का श्रीचरणों में कोटिशः प्रणाम। मेरा स्वास्थ्य भी कुछ ठीक नहीं है जैसा दो वर्ष पूर्व था वैसा ही कुछ अब फिर होगया है आयुर्वेदिक उपचार कर रहा हूं। शेष सब ठीक है। सीताराम का मकान भी बदल गया कल तानकपुरा मोतीबाग जायगा। ऐसा पता चला था। शेष सर्वथा कुशल है। सर्व सज्जनों को नमस्कार।

कृपाभिलाषी

शिवराज शर्मा

दामोदर शर्मा

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

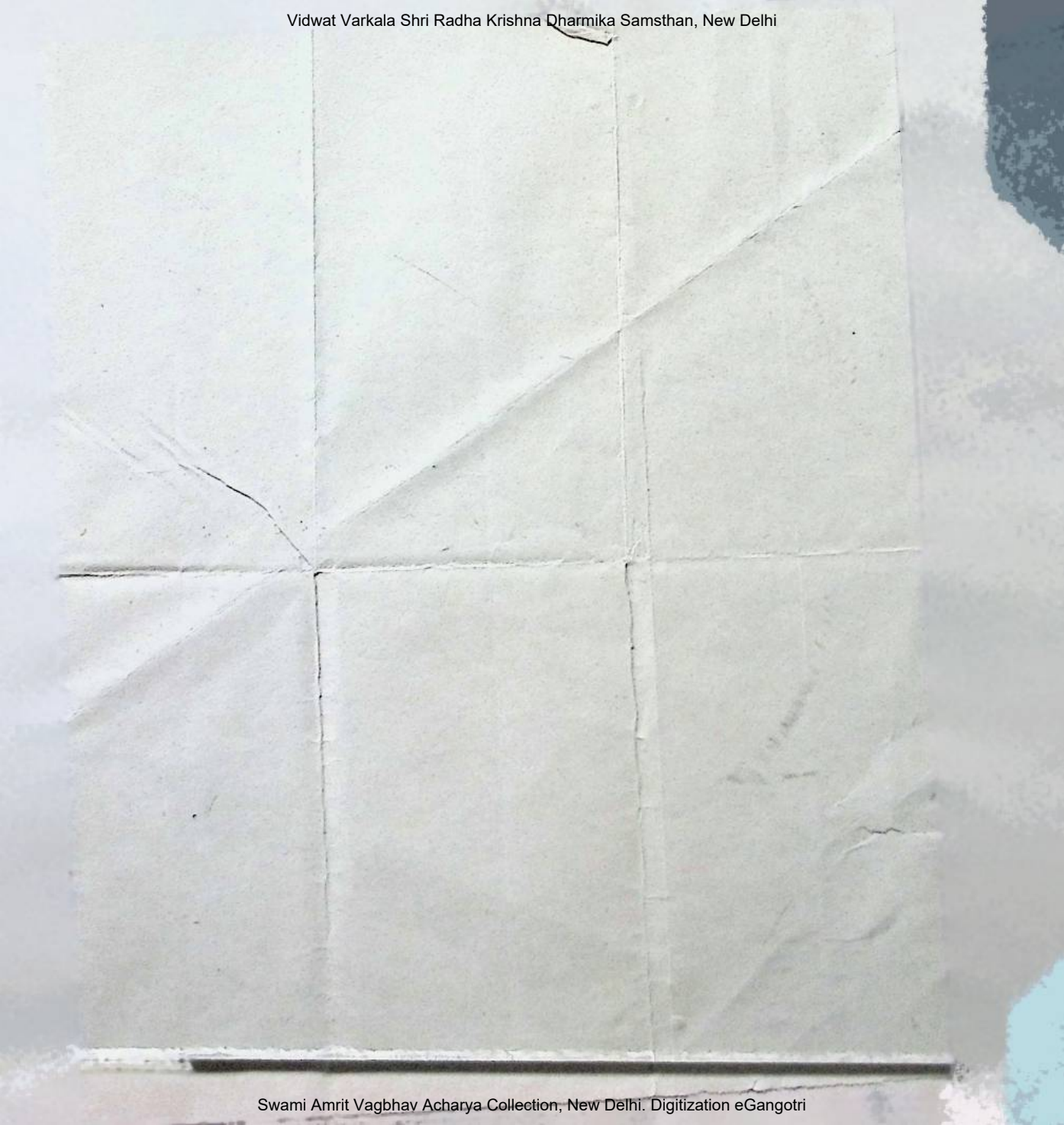

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

To,

Shree ji c/o

Shree V.D. Bakshi

33-A, Hindustan Colony

Housing Factory

Jangpura, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

From:- Sha[illegible] Vermani
c/o M/s Kohli Bros
Kanak Mandi
Jammu (Jawi)

19/3/65

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Telegram:- HIND

Phone No. SHOP 176 / RESIDENCE 15

DASWANDI RAM BANARSI DAS.

Commission Agents,

New Mandi. MUZAFFARNAGAR.

Give us a Trial

Delhi Phone No.

PUNJAB EXCHANGE
6174, 5573

UTTAR BHARAT
5397

LAXMI & VISHNU
5461

دہلی

~~BOOK POST~~.

مال روڈ

To, L- Nathu Ram Sharma

3 c I class 80/3

~~Mall Road~~

Delhi

دہلی

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Muzaffarnagar
Tele { gram- "HIND"
phone- [176 shop
15 Res.

* ॐ *

Office at Delhi
Tele { gram- "AMARPHAL"
phone- Coronation Hotel
24274, 23573, 25397
Laxmi & Vishnu 25197

Subject to Muzaffarnagar Jurisdiction.

DASWANDI RAM BANARSI DASS,
SUGAR & JAGGERY MERCHANTS & COMMISSION AGENTS,

NEW MANDI,
MUZAFFARNAGAR (N. Rly)

Ref. No. _____ Dated _____ 19

3/9/53

پوجیہ شری سوامی جی مہاراج - دونوں ہاتھ جوڑ کر چرن بندھنا -

میں نے آپ سے ٹھیک وعدہ کیا تھا - پہلے بھی اور اب بھی - مگر میں نے وچار کیا ہے

یہ معاملے میرے بس کے نہیں ہیں اور ان پر پہنچنا میرے واسطے مشکل ہے کبھی کوئی

دھندا کبھی کوئی دھندا خواہ مخواہ دوسرے کو بھی تکلیف اور انتظار کا ہرجہ

ہوتا ہے - بلکہ میں آپ سے خاص مل رہا ہوں - میں کسی پرکار سے بھی

اس کے لیے نہیں - لہذا آپ اپنے چرنوں کی دھولی اور گھر بیٹھے بٹھائے

کوئی امرت دان بخش دیجیے - جس سے کلیان ہو اس میں آپکی کرپا ہوگی

امید ہے آپ کلیان کرینگے آپکا دوشی سیوک

Ram Dass

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

684

O LF RUPAR I SOHLANWALE SWAMIJEE CARE BHAWANISHANKER TRIVEDI JAIN
LIBRARY NEAR SUBZIMANDI GHANTAGHAR DELHI
KINDLY MEET ON DELHI STATION KALKAMAIL 3 RD THURSDAY MORNING-----
SOHANLAL-------

COPIED "KHANNA" AT 14/20----

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

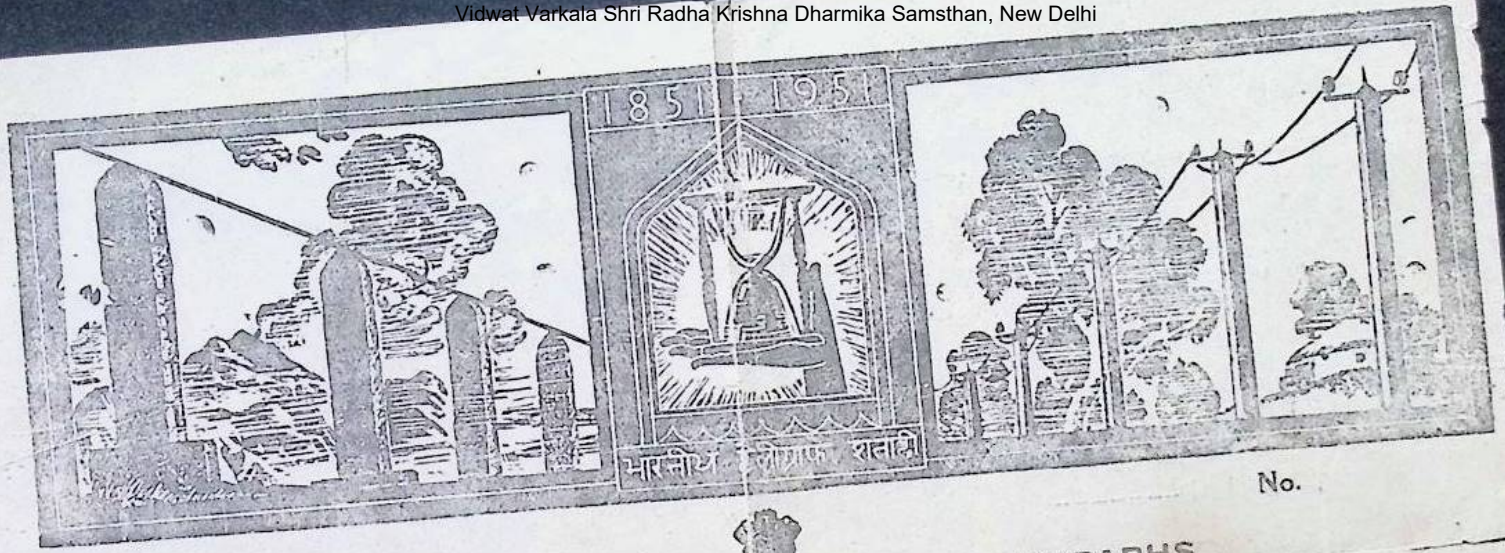

No.

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS

...ed in at (Office of Origin.)	Date	Hour.	Minute.	Service Instructions.	Words.	Office Stamp.
				Recd. here at H. M.		

N.B.—The name of the Sender, if telegraphed, should be written after, but separated from, the text.
This form must accompany any enquiry made respecting this telegram.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

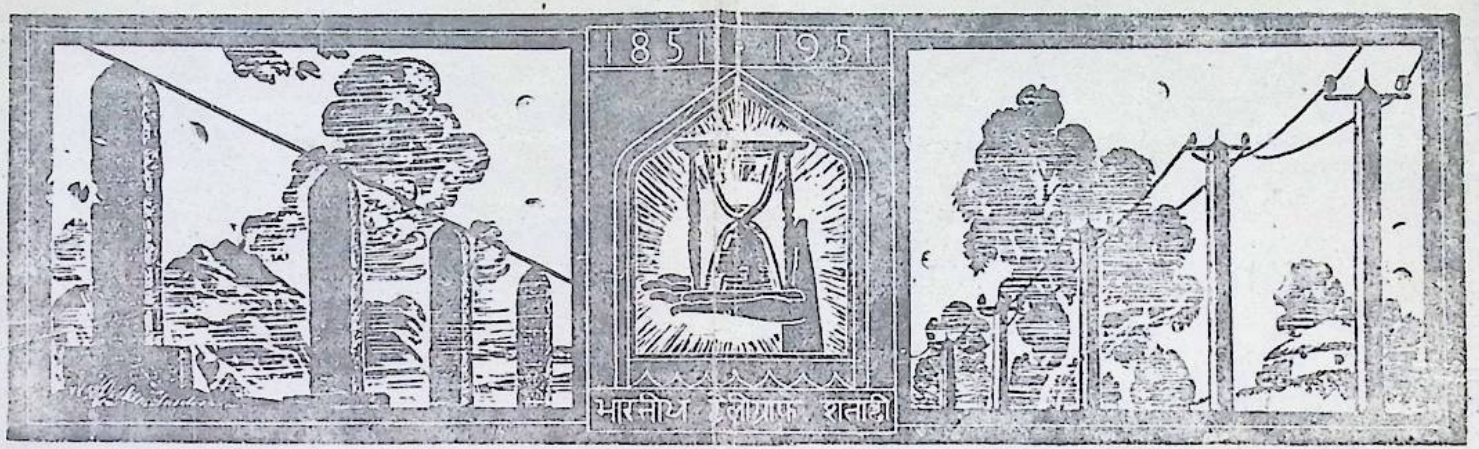

No. .....

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS

...ed in at (Office of Origin.)	Date	Hour.	Minute.	Service Instructions.	Words.	Office Stamp.
				Recd. here at H. M.		

N.B.—The name of the Sender, if telegraphed, should be written after, but separated from, the text.
This form must accompany any enquiry made respecting this telegram.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Madan Gopal Madan Mohan

KARYANA MERCHANTS & COMMISSION AGENTS
Kanak Mandi, Gali Post Office, JAMMU TAWI.
मदन गोपाल मदन मोहन, कनक मण्डी, जम्मू तवी ।
مدن گوپال مدن موہن کمیشن ایجنٹس گندم منڈی جموں

Dated 8.11.22

Ref. No.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्रीहरिः शरणम्

आदरणीय पूज्य महाराज जी

सादर चरण स्पर्श एवं हरिः स्मरणम्

मानसिक प्रणाम स्वीकृत हो, अत्यंत दुख है कि आज मैं आज्ञा उल्लंघन कर रहा हूँ, कारण मानसिक अशांति है, पारिवारिक सदस्यों के लिये जयशंकर एवं नमस्कार - विशेष आपके दर्शन होने पर त्रुटियों के लिये क्षमा-प्रार्थी. चरणसेवक

रुद्र

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

आयुर्वेदाचार्य

ॐ

क. पं. श्रीकण्ठदत्त नन्दकिशोर शर्मा वैद्य वाचस्पति

अनेक स्वर्ण पदक प्राप्त।

अध्यक्ष :- दत्त औषधालय ज्वालामुखी

ज़िला कांगड़ा (पंजाब)

र. नं० X

तिथि १९ मार्गशीर्ष २०१६

श्री माननीय-परमपूज्य-परम पवित्र-परमोदार-प्रातः-स्मरणीय मेरे लिये अविस्मरणीय तथा स्वप्नमें भी मेरे लिये अदृश्य श्री आचार्य चरणों में दास नन्दकिशोर के सांजलि तथा सस्नेह प्रणाम स्वीकार हों। आपकी सस्नेह कृपा दृष्टि से मैं कुशल पूर्वक हूं और आप भी कुशलपूर्वक ही होंगे। श्रीमिश्रजी का पत्र मिला था। आपको जालंधर से वापिस लौटना पड़ा - इसका एक कारण तो उपल वृष्टि ही होगा - परंतु मेरी दृष्टि में मेरा मंदभाग्य - कर्मदोष - मेरा आलस्य - या मेरे स्नेहबंधन की दुर्बलता ही प्रधान कारण है। अथवा ईश्वरेच्छा ही ऐसी हो क्योंकि "यमेवैष वृणुते तेन लभ्यः"

परन्तु इन बातों से तो शांति नहीं मिल सकती। इसलिये जैसा भी उचित हो करें। आपकी मुझपर कृपा दृष्टि है मुझे तो इतने में भी संतोष है और आपका वरदहस्त होते हुए भी मैं खाली रहा - तृष्णातुर कुंवें पर जाकर भी वासन बुझा सका यही दुःख है। मैं तो आपकी शरण में अपने आपको समझता हूं इसलिये निश्चय ही निर्भय तथा शांत एक न एक दिन

मुझे करदेने के लिये जो उचित होगा आप करेंगे ही। आपका तुच्छ दास :- नन्दकिशोर।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

ॐ

माजरा
17.12.67

परमादरणीय
गुरुदेव
सादर प्रणाम

मैं एक संतप्तात्मा हूं - ऐसी स्थिती में फंसा हूं कि कुछ समझ में नहीं आ रहा।

उठना चाहता हूं - परन्तु परिस्थितियां अनुकूल नहीं किसी ने सलाह दी कि आपसे दीक्षा लें सब मुसीबतें टल जावेंगी

सो करबद्ध प्रार्थना है कि दीक्षा दे उत्थान करें

आपका अपना
हरीश.

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्रीनयनादेवीजी.
19.10.1977

सेवामें,

परम पूजनीय श्री १००८ स्वामीजी महाराज!

सादर वन्दे, जयतु नयने

मैं बड़े दिनों से प्रतिक्षा में हूँ, परन्तु आप ऐसे लुप्त हुए कि विशेष प्रयत्न करने पर भी आपका साक्षात्कार नहीं हो सका. इतना अवश्य पता मिलता रहा कि आप शिमला में हैं सोलन में हैं परन्तु भाग्य की विडम्बना समझिये, आपकी महान् कृपा हुई. जो मुमुक्षु जैसे तुच्छ व्यक्ति को भी स्मरण किया. ऐसे यह अत्यन्त अनुचित होगा कि मैं आपको कोई उपालम्भ दूँ। परन्तु जगज्जननी आपकी प्रतिक्षा में ही है। कि आप यहाँ पधार कर हमलोगों को कृतार्थ करते हुए माँ के श्री चरणों में उपस्थित हों।

मेरे दूसरे सुपुत्र श्री अम्बिका प्रसाद शास्त्रीजी ने श्रीनयना महिषमर्दिनी माँ का संक्षिप्त महिषालय पीठ माहात्म्य एक छोटी सी पुस्तक लिखी है. जिसे भेंट स्वरूप श्री चरणों में भेज रहा हूँ। इस सम्बन्ध में आपसे परामर्श करना अत्यन्त आवश्यक था. परन्तु दुर्भाग्य समझिये कि आपका पता नहीं मिल सका. अतः सविनय प्रार्थना है कि इस पुस्तक को पढ़ने के उपरान्त जो-जो त्रुटियाँ प्रतीत हों, उन्हें अवगत कराने की जरूर कृपा किजिये। और जो इस सम्बन्ध में और कुछ लिखा जाना. आवश्यक हो उसे भी अपने लेख द्वारा पत्र में प्रेषित करने की [illegible] किजिये। ऐसे आपके ही शिष्य पं. हरदेव [illegible]

[illegible] त्रिवेदी जी ने इस प्रकार [illegible] सहायता की है मैं [illegible] आपका

P.T.O.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

आशीर्वाद समझता हूँ। चिरकाल से मैं इस बात पर भी प्रयत्न कर रहा हूँ। कि बच्चों को दिक्षा संस्कार भलि प्रकार करवा सकूँ। परन्तु इस देश में तो कोई ऐसा व्यक्ति नहीं जिससे यह काम करवाया जा सके। हमारे यहाँ तो दोनों पटलों से पूजा का विधान है। बगैर दीक्षा के बच्चे अधूरे ही पड़े हैं। अतः आपकी कृपा के बिना यह कार्य होना असम्भव प्रतीत हो रहा है। बल्कि सारी बातें तो आपका साक्षात्कार होने पर ही निवेदन कर सकूँगा। इस समय तो आप माँ के अत्यन्त समीप पधारे हैं। यदि माँ कृपा करे और आप जैसे महानाता के दर्शनों का हम जैसों को लाभ हो सके।

दर्शन मिलाइये।

हरिराम शर्मा।

श्री नमन देवी जी

जि० बिलासपुर

(हि०प्र०)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri